मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 314
गुरुवार, 04 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मालवीय नगर के रेस्टोरेंट में भीषण आग, 20 लोगों की दर्दनाक मौत, सीएम ने जताया दुख

नई दिल्ली, 03 जून। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट के तहखाने में भीषण आग लगने से कम से कम दस लोगों की जान चली गई। अधिकारियों के अनुसार, आग रेस्टोरेंट के तहखाने में लगी। दिल्ली अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 9:45 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया क्योंकि इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की आशंका थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मामले पर दुख जताया है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा मालवीय नगर में भीषण आग की घटना में हुई जान-माल की भारी क्षति से मैं अत्यंत दुखी हूं. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं. मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की और इस हृदयविदारक त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों को शक्ति व साहस मिलने की प्रार्थना करती हूं। अब तक इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। आग लगने की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारी बचाए गए लोगों की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। आग पर काबू पाने के लिए एक बड़ा अग्निशमन अभियान चलाया गया, जिसमें 10 दमकल गाड़ियां मौके पर तैनात की गईं। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

एक ही परिवार के 5 बच्चों की डूबने से मौत, गांव में छाया मातम

मधुबनी, 03 जून। बिहार के मधुबनी जिले में बुधवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक ही परिवार के पांच बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बेनीपट्टी अनुमंडल के पतौना थाना क्षेत्र के केरवार गांव में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अभिषेक (14), प्रशांत (12), सलोनी (10), रिंकू (10) और स्नेहा (9) के रूप में हुई है, जो रिश्ते में एक-दूसरे के भाई-बहन लगते थे।

बेनीपट्टी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अमित कुमार ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं, बेनीपट्टी के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) शारंग पानी पांडेय ने बताया कि पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजन को आपदा राहत मद से चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कुवैत हवाई अड्डे पर हमले में एक भारतीय की मौत, भारत ने की कड़ी निंदा

कुवैत, 03 जून। भारत ने कुवैत इंटरनेशनल एयरपोट 'पर हमले की कड़ी निंदा की है जिसमें एक भारतीय नागरिक की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि भारत इसकी कड़ी निंदा करता है और सभी पक्षों से एक बार फिर अपील करता है कि आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा , 'हम आज कुवैत इंटरनेशनल एयरपोट 'पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है और हमारे कई नागरिक घायल हुए हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से, हमने जोर देकर कहा है कि आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम एक बार फिर सभी पक्षों से अपील करते हैं कि वे इस तरह के हमले बंद करें।'

प्रवक्ता ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है और वहां स्थित दूतावास घायलों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपक 'में हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे क्षेत्र में मौजूद भारतीय मिशन और पोस्ट अलट 'पर हैं और भारतीय समुदाय को सक्रिय रूप से सहायता प्रदान करना की जा रही है। रिपोटर के अनुसार कुवैत के एयरपोट 'पर ईरान के ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गयी है और कई अन्य घायल हो गये। घायलों में से कई की हालत गंभीर बतायी गयी है।

हरियाणा बीजेपी में नई शुरूआत, सीएम सैनी की मौजूदगी में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने संभाला कार्यभार

पंचकूला, 03 जून। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता आज पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आयोजित भव्य समारोह के दौरान अपने पद का औपचारिक कार्यभार ग्रहण करने पहुंची। इस अवसर पर प्रदेशभर से भाजपा कार्यकताओं, पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं की बड़ी मौजूदगी देखने को मिली।कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके अलावा भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र नागर, प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, हरियाणा सरकार के मंत्रीगण, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भी समारोह में शामिल हुए। समारोह में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। भाजपा हरियाणा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली भी मंच पर उपस्थित रहे। उनके कार्यकाल के बाद अब डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में संगठन की नई पारी की शुरूआत हो रही है, जिसे पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।कार्यभार ग्रहण समारोह को लेकर भाजपा कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पंचकमल परिसर में सुबह से ही कार्यकताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकताओं ने नए नेतृत्व का स्वागत किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यभार ग्रहण करते ही अर्चना गुप्ता ने संगठन को लेकर कहा कि बूथ से लेकर जिले तक की टीम का गठन हो चूका है। प्रदेश की टीम का जल्द गठन होगा।

तेलंगाना के जहीराबाद में एमडी ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़, क्राइम ब्रांच सेल-4 की बड़ी कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा सेल-4 ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तेलंगाना के जहीराबाद में संचालित एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करोड़ों रुपये मूल्य के मादक पदार्थ, रसायन और अत्याधुनिक प्रयोगशाला उपकरण जब्त किए गए हैं। मामले की शुरूआत 4 अप्रैल 2026 को हुई थी, जब नयानगर पुलिस ने मीरा रोड पूर्व स्थित आदर्श बिल्डिंग के एक फ्लैट पर छापा मारकर 1 किलो 324 ग्राम एमडी ड्रग बरामद की थी, जिसकी कीमत लगभग 2.66 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इस मामले में आरोपी फिरदौस अरबाज कुरैशी और उसके पति अरबाज वकील कुरैशी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत नयानगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 102/2026 दर्ज किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध शाखा सेल-4 ने मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। मुंबई के मीरा रोड, अग्रिपाड़ा, मालवणी और मनोरी क्षेत्रों में छापेमारी कर लगभग 13.65 करोड़ रुपये मूल्य की मादक दवाएं, रसायन तथा ड्रग निर्माण में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए गए। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने 28 मई 2026 को रायगढ़ जिले के खालापुर से आरोपी संदीप वीरस्वामी नायडू को गिरफ्तार किया। इसके बाद 29 मई को हैदराबाद से आरोपी नासिर उर्फ बाबा जनिमिया शेख और महमूद महबूब खान को हिरासत में लिया गया। पूछताछ और तकनीकी जांच के दौरान पता चला कि आरोपी नासिर उर्फ बाबा जनिमिया शेख ने तेलंगाना के जहीराबाद तहसील के पिचारगाड़ी टांडा क्षेत्र में लगभग दो एकड़ में फैले फार्म हाउस पर एमडी ड्रग निर्माण की अवैध फैक्ट्री स्थापित कर रखी थी। क्राइम ब्रांच सेल-4 की टीम ने वहां छापेमारी कर 3 किलोग्राम एमडी ड्रग, क्लोरोफॉर्म, एसीटोन, मोनोमेथाइल अमीन, हाइड्रोक्लोरिक एसिड सहित कुल 2,293 लीटर नियंत्रित रसायन बरामद किए। इसके अलावा मादक पदार्थ निर्माण में उपयोग होने वाले लगभग 6.22 करोड़ रुपये मूल्य के प्रयोगशाला उपकरण भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में कुल 20.72 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई है। मामले की आगे की जांच अपराध शाखा सेल-4 द्वारा जारी है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में अपराध शाखा सेल-4 के प्रभारी प्रमोद बडख और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई। इस कार्रवाई को एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय की हाल के वर्षों की सबसे बड़ी मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है, जिसने अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक 23/05/2026
समय शाम 8 बजे से लापता है।
यदि आपको इनका कोई पता चले तो
कृपया तुरंत संपर्क करें
संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

भारत का सुदर्शन चक्र : रूस ने भेजी एस–400 की चौथी स्क्वाड्रन, पाकिस्तान हुआ परेशान

नई दिल्ली, 03 जून। भारत की लंबी दूरी की वायु रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए रूस से सुदर्शन एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम का चौथा स्क्वाड्रन भारत पहुंच गया है। इसे जल्द ही एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली एस-400 की इस खेप को एक जहाज के माध्यम से भारत लाया गया और जल्द ही इसकी तैनाती कर दी जाएगी। पांचवां और अंतिम स्क्वाड्रन भी अगले कुछ महीनों में भारत को मिलने की संभावना है।

वर्ष 2018 में भारत और रूस के बीच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर समझौते किया गया था। इस समझौते के तहत भारत को एस-400 के कुल पांच स्क्वाड्रन मिलने हैं। इनमें से तीन स्क्वाड्रन दो साल पहले मिल चुके हैं, जबकि बाकी दो के मिलने में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण देर हुई है। पिछले वर्ष आपरेशन सिंदूर के दौरान सुदर्शन ने पाकिस्तानी वायु सेना की क्षमताओं को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी। इसने एक पाकिस्तानी वायु सेना के निगरानी विमान को मार गिराया था।

रक्षा खरीद परिषद एस-400 के पांच अतिरिक्त स्क्वाड्रन खरीदने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे भारत की हवाई सुरक्षा व्यवस्था और ज्यादा मजबूत होगी। भारत केवल विदेशी एयर डिफेंस सिस्टम पर निर्भर नहीं रहना चाहता। इसलिए इस दिशा में आत्मनिर्भर होने के लिए प्रोजेक्ट कुशा नामक स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम चल रहा है। इसका उद्देश्य ऐसा स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली विकसित करना है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

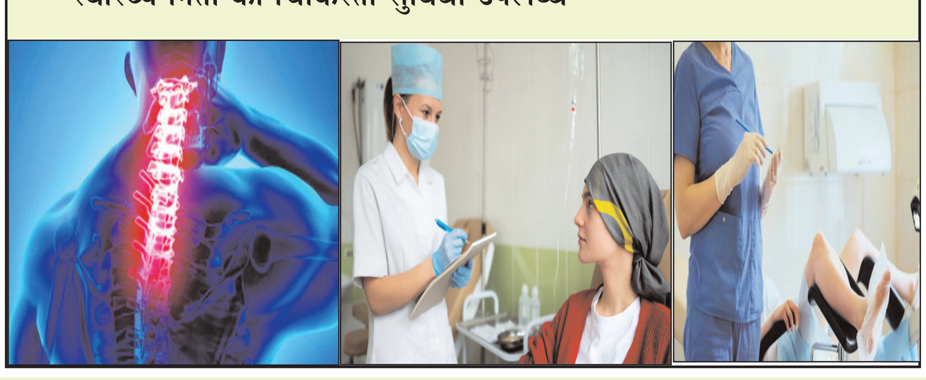

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

नशा: राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

-ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया ह्यनशामुक्त जम्मू-कश्मीरह्न अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है। इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

ममता की टीएमसी में बिखराव के मिलने लगे संकेत

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में अंदरूनी कलह और बगावत के कारण दो फाड़ होने की अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जाता है कि इस करारी शिकस्त के बाद मंथन करने के लिए टीएमसी ने तीन बार बैठक बुलाई। 6 मई को बैठक बुलाई गई तो 10 विधायक पहुंचे ही नहीं। फिर 19 मई को बैठक बुलाई गई तो 35 विधायक नदारद रहे। उसके बाद 31 मई को बुलाई गई बैठक में तो सबसे बड़ा खेल हुआ और 80 में से 60 विधायक मीटिंग में पहुंचे ही नहीं।

उसके बाद से ममता की टीएमसी में इस्तीफों की झड़ी भी लग चुकी है। टीएमसी प्रवक्ता बिस्वजीत देब ने इस्तीफा दिया है। शांतनु सिंह, अभिजीत मजूमदार, काकोली घोष और अरुप चक्रवर्ती ने भी अपना पद छोड़ दिया है। इसके अलावा डायमंड हार्बर से 8 पार्षदों का इस्तीफा हुआ है। चंदननगर से 30 पार्षद, भाटपाड़ा से 30, गारुलिया से 18, हलिशहर से 16, उत्तर बैरकपुर से 15 और कांचरापाड़ा से 14 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं।

यही नहीं इन इस्तीफों के अलावा ममता बनर्जी ने उलूबेरिया से विधायक ऋतब्रत बनर्जी और एंटाली से विधायक संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। आरोप लगा कि दोनों पार्टी विरोधी गतिविधियों में सक्रिय थे। लेकिन असल विवाद यह था कि इन दोनों ही विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष से जुड़े प्रस्ताव और उस पर लिए गए हस्ताक्षरों की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। संदीपन साहा तो यहां तक कह चुके थे कि इसमें ऐसे विधायकों के हस्ताक्षर भी शामिल हैं जो असल में बैठक में शामिल तक नहीं हुए थे। इन आरोपों के बाद ही दोनों विधायकों को निष्कासित कर दिया गया।

विधायकों का नदारद होना, कुछ को निष्कासित कर देना और लगातार इस्तीफों का सिलसिला इस बात की ओर जरूर इशारा करता है कि टीएमसी में इस समय सब कुछ ऑल इज वेल नहीं है। मीडिया में आई एक रिपोर्ट की अनुसार कोलकाता के विधायक हॉस्टल में टीएमसी नेताओं की एक सीक्रेट बैठक हो चुकी है। इस बैठक में निष्कासित विधायक के साथ-साथ कई असंतुष्ट नेता शामिल हुए और टीएमसी के भविष्य, संगठनात्मक बदलाव और नए राजनीतिक विकल्पों को लेकर चर्चा की गई।

अब इस समय पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के कई विधायक मीडिया के सामने आकर अभिषेक बनर्जी की नीतियों की खुले तौर पर आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ दबी जुबान ममता बनर्जी की कार्यशैली पर भी सवाल उठा रहे हैं। इसी वजह से ऐसी अटकलें चल पड़ी हैं कि क्या 80 में से नदारद रहे 60 विधायक पार्टी को तोड़ भी सकते हैं? अभी इस सवाल का जवाब तो भविष्य की गर्भ में छिपा है, लेकिन ममता बनर्जी ने खतरे को भांपते हुए सड़क पर उतरने का फैसला किया है। उनकी पार्टी के कार्यकताओं पर हो रहे हमलों को लेकर उन्होंने आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। कोलकाता पुलिस ने उन्हें इजाजत नहीं दी है, लेकिन ममता ने भी तेवर दिखाते हुए दिल्ली कूच करने की चेतावनी दे दी है। यहां समझने वाली बात यह है कि सड़क पर उतरी ममता बनर्जी की असल पहचान भी यही है। जानकार मानते हैं कि ममता बनर्जी की एक स्ट्रीट फाइटर की इमेज है। सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों ने उनकी छवि को मजबूत भी किया था। उन आंदोलनों के दम पर 34 साल के वामपंथी राज को भी खत्म किया गया था। लेकिन तब की स्थिति और आज की स्थिति में बड़ा फर्क है। जब लेफ्ट से लड़ाई चल रही थी तब ममता की टीएमसी एकजुट थी। शुभेंदू अधिकारी जैसे बड़े नेता भी ममता के साथ खड़े थे। लेकिन आज की चुनौतियां और आज का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। बंगाल में बीजेपी की सरकार है, टीएमसी के कई विधायक ममता और अभिषेक से नाराज बताए जा रहे हैं, पार्टी के अंदर ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई छिड़ चुकी है और लगातार हो रहे इस्तीफे सियासी तापमान बढ़ा रहे हैं। ममता की सड़क पॉलिटिक्स क्या एक बार फिर टीएमसी को खड़ा कर पाएगी? इस सवाल का जवाब ही टीएमसी का भविष्य भी तय करेगा और ममता दीदी की आगे की रणनीति भी। बागी विधायकों द्वारा पार्टी से निष्कासित नेताओं के नेतृत्व में एक अलग गुट बनाकर 'असली टीएमसी' का दावा करने और महाराष्ट्र जैसी राजनीतिक स्थिति पैदा होने की चर्चा है। दरअसल ममता बनर्जी ने शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विधानसभा में नेता विपक्ष बनाया है। इस नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि स्पीकर को भेजे गए लेटर पर कुछ टीएमसी विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर थे। इतना ही नहीं सीएम ने टीएमसी के दो विधायकों रिताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा का नाम भी लिया, जिन्होंने इसको लेकर जालसाजी की शिकायत की। मुख्यमंत्री के आरोपों के बाद ममता बनर्जी ने इन शिकायत कर्ता दोनों विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों में बाहर निकाल दिया। टीएमसी से निकाले गए विधायक संदीपन साहा ने इस मामले के लिए अभिषेक बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते है और कहते है कि पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ने ही टछअ की लिस्ट पर साइन किए थे। मड़िया के सूत्रों के हवाले से बताया कि नाराज टीएमसी विधायकों को मनाने के लिए और सदन में पार्टी को एकजुट बनाए रखने के लिए कोलकाता में जोरदार मीटिंग चल रही हैं। अब देखना होगा कि ममता बनर्जी टीएमसी को किस तरह एकजुट रख पाएंगी। फर्जी साइन का मामला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल उक्क ने जांच शुरू कर दी है। इस मामले में कई तृणमूल नेताओं को नोटिस भेजा गया है। उक्क ने अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए बुलाया भी था। हालांकि वह सीआईडी के समन पर नहीं गए थे। दरअसल अब चुनाव हारने के बाद से टीएमसी अपने नेताओं को एकजुट रखने के लिए संघर्ष कर रही है। ममता बनर्जी की कुर्सी जाने के बाद कई नेताओं ने खुलकर नाराजगी जाहिर की है। पार्टी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने तो जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। तृणमूल कांग्रेस के हालात पर मजाक उड़ाते हुए सीनियर भाजपा नेता और शुभेंदु सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने कहा, 'सभी लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, लग रहा है कि अब केवल ममता बनर्जी और उनके भतीजे ही पार्टी (टीएमसी) में बचेंगे। 'रिजू दत्ता का दावा है कि कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है 50 विधायक हमारे साथ हैं। हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। अगर बात करें तो टीएमसी के कमजोर होने का सीधा फायदा भाजपा को मिलता नजर आ रहा है। अगर टीएमसी एकजुट रही तो ममता ताकतवर बनी रहेंगी। ऐसे में वह फिर से पार्टी को सत्ता में ला सकती हैं। इतना ही नहीं, बतौर मजबूत विपक्ष भी वह भाजपा की सरकार को लगातार चुनौती दे सकती हैं। लेकिन अगर टीएमसी दो-फाड़ हो जाती है तो ऐसे में भाजपा के लिए चीजें काफी आसान हो जाएंगी। भाजपा को सीधे चुनौती नहीं मिलेगी। ममता इतनी कमजोर रहेंगी कि वह सत्ताधारी दल पर हमला करेंगी भी तो वह इतना असरदार नहीं होगा।

असल में भाजपा को भी बखूबी पता है कि ममता बनर्जी वापसी करने में सक्षम हैं। अगर टीमसी के सभी विधायक ममता के साथ रहते हैं तो वह मजबूत बनी रहेंगी। लेकिन अगर टीएमसी के कुछ विधायक टूटकर अलग पार्टी बना लेते हैं तो यह ममता को कमजोर बनाएगा। इसलिए भाजपा हमेशा एक टूटी हुई टीएमसी को अपने विपक्षी पार्टी के रूप में देखना चाहेगी, बनिस्बत एकजुट और मजबूत टीएमसी के।

टूटी हुई टीएमसी से भाजपा को एक फायदा और होगा। इसके दम पर वह कांग्रेस और लेफ्ट को मजबूत बनने से भी रोक सकेगी। असल में टीएमसी में टूट का फायदा कांग्रेस भी उठाने की फिराक में है। उसे उम्मीद है कि जिन लोगों को कांग्रेस से तोड़कर दीदी ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, वह लोग फिर से अपनी मूल पार्टी में लौट आएंगे। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती है। वह चाहती है कि मुख्य विपक्षी दल टीएमसी ही नहीं, भले ही सिम्बोलिक तौर पर ही सही।असल में भाजपा की रणनीति टीएमसी को अंदर से तोड़ने की है। इस तरह ममता बनर्जी के खिलाफ बोलते टीमएसी नेता, अभिषेक बनर्जी का कम होता कद। ममता बनर्जी का अंदरखाने बढ़ता विरोध, भाजपा के लिए हर तरह से फायदेमंद है। भाजपा को पता है कि हार के बाद ममता तात्कालिक तौर पर भले कमजोर पड़ी हों, लेकिन वह खत्म नहीं हुई हैं। लेकिन अगर वह पार्टी पर अपना दबदबा खो देती हैं तो उनका सियासी रसूख भी दांव पर लग जाएगा।

यही नहीं सिर्फ बंगाल ही नहीं, कमजोर होने के बाद ममता की पूछ इंडिया गठबंधन में भी कम हो जाएगी। अब यह बात तो जग-जाहिर है कि ममता बनर्जी हमेशा से दिल्ली में बड़ी भूमिका की आकांक्षी रही हैं। लेकिन बंगाल चुनाव में जो हाल हुआ है, उसने ममता के इस इरादे पर भी पानी फेरा है। भाजपा भी यही चाहेगी कि ममता बंगाल तक ही सीमित रह जाएं। वह टूटती टीएमसी को संभालने में इस कदर खो जाएं कि राष्ट्रीय स्तर पर उभरने की उनकी मंशा धरी की धरी रह जाए। अब देखना यह है कि भाजपा की यह चाहत पूरी होती है या ममता फिर से कमबैक करने में कामयाब हो पाती हैं।

जीवन का आधार है पर्यावरण

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। इस अभियान की शुरूआत करने का मुख्य उद्देश्य वातावरण की स्थितियों पर ध्यान केन्द्रित करने और पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव का भाग बनने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम जलवायु के लिए अभी है। यह थीम जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है

पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों और। आवरण का अर्थ होता है हम चारों और जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आस-पास के वातावरण से हैं। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आस-पास की सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता हैं। मानव और पर्यावरण एक दूसरे से संबंधित तथा एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना, वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता हैं। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता हैं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना हैं। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट पृथ्वी पर मंडरा रहे तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नुकसान और प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक खाका प्रदान करती है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण तीनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ये मानव अस्तित्व के लिए एक स्व-निर्मित खतरा हैं। प्रदूषण के

-रमेश सर्राफ धमोरा

कारण हर साल लगभग 90 लाख लोग असामयिक रूप से अपनी जान गंवाते हैं। लगभग 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं।

मानवता ने पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक और अस्थिर दोहन किया है जिससे हमारी पृथ्वी की जीवन-समर्थन क्षमता कमजोर हो गई है। सतत भविष्य के लिए जरूरी है कि अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों को इस तरह से बदला जाए जो प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे बहाल करने में निवेश करें।

पेरिस समझौते के लक्ष्यों (को प्राप्त करने के लिए 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड के वैश्विक उत्सर्जन में 2010 की तुलना में 45% की कमी और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना अनिवार्य है। भोजन, ऊर्जा और सामग्री के उत्पादन के वर्तमान तरीकों में सुधार करना होगा ताकि पृथ्वी के संसाधनों का अधिक न्यायसंगत और सुरक्षित उपयोग हो सके। सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु, जैव विविधता और प्रदूषण से जुड़ी नीतियों को एक साथ लागू करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट इस निष्कर्ष पर जोर देती है कि आने वाले दशकों में प्रकृति के साथ शांति स्थापित करना मानवता के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कार्य है।

सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर देश में लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिसाल्वड की मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़, पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण आज हमारा पर्यावरण खतरे में हैं। पर्यावरण के सभी घटक जीवमंडल, जलमंडल, वायुमंडल सभी प्रदूषण में फंस गए हैं। प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव सामान्य प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत अधिक प्रभावित कर रहा हैं। ज्वालामुखी का फटना जंगल में अपने आप आग लगना आदि प्राकृतिक प्रदूषण की घटनाएं हैं। जल का मैला होना, वाहनों से निकलने वाला धुआं, कल कारखानों से निकलने वाला धुऐ से उत्पन्न होने वाला प्रदूषण, वनों की कटाई आदि मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण हैं। मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण से प्रकृति व पर्यावरण का विनाश तेजी से हो रहा हैं। प्रदूषण के मुख्य रूप जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और मृदा प्रदूषण हैं। ऐसे में पर्यावरण प्रबंधन की वर्तमान में बहुत आवश्यकता हैं। आज पर्यावरण प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या और बड़ी-बड़ी इमारतों के कारण पर्यावरण की प्रकृति नष्ट हो रही है। हर जगह-जगह घने वृक्ष काट कर बड़ी बिल्डिंगों का निर्माण करना पर्यावरण और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ हैं। इतना ही नहीं जहां वाहनों का धुआं, मशीनों की आवाज, खराब रासायनिक जल आदि की वजह से, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। जिसके कारण हमें अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

हमें भविष्य में जीवन को बचाये रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। यह पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का हिस्सा बनना होगा तभी हम पृथ्वी को सुरक्षित रख सकेगें। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय रुद्रम-2

भारत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अब केवल सैन्य उपकरणों का आयात करने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि अत्याधुनिक सैन्य तकनीक विकसित करने वाला एक प्रमुख देश बन चुका है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन जिसे हम डीआरडीओ के नाम से जानते हैं और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयासों ने देश के रक्षा इतिहास में एक बेहद गौरवशाली पन्ना जोड़ा है। हाल ही में हवा से जमीन पर मार करने वाली देश की सबसे आधुनिक एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण किया गया है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया जहाँ भारतीय वायुसेना के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30 मार्क(वन) का उपयोग किया गया। परीक्षण पूरी तरह से अपने सभी मानकों पर खरा उतरा। इस दौरान मिसाइल की प्रोपल्शन प्रणाली, नियंत्रण तंत्र और इसकी गाइडेंस तकनीक ने एकदम सटीक तरीके से काम किया और अपने निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा। यह सफलता केवल एक हथियार का परीक्षण नहीं है, बल्कि यह देश की सामरिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ी छलांग है।

वर्तमान समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह से बदल चुका है। आज की सैन्य लड़ाइयाँ केवल सैनिकों की संख्या या टैंकों के बल पर नहीं जीती जाती हैं। आज का युद्ध मुख्य रूप से

- महेन्द्र तिवारी

तकनीक, निगरानी क्षमता और रडार नेटवर्क पर निर्भर करता है। जिस देश का रडार नेटवर्क और हवाई रक्षा तंत्र जितना मजबूत होता है, वह युद्ध के मैदान में उतना ही अधिक हावी रहता है। इसी कारण से किसी भी सैन्य संघर्ष में सबसे पहली रणनीति दुश्मन की आंखों और कानों को यानी उसके रडार और संचार प्रणालियों को नष्ट करने की होती है। ऐसी परिस्थिति में रुद्रम-2 जैसी उच्च तकनीक वाली मिसाइलों का महत्व बहुत बढ़ जाता है। इस मिसाइल को विशेष रूप से दुश्मन के रडार, उसके वायु रक्षा तंत्र, संचार नेटवर्क और ऐसी किसी भी प्रणाली को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी उत्सर्जित करती है।

पारंपरिक मिसाइलें आमतौर पर किसी पूर्व निर्धारित लक्ष्य या स्थान पर हमला करती हैं, लेकिन एक एंटी रेडिएशन मिसाइल का काम करने का तरीका बिल्कुल अलग और बेहद जटिल होता है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार या संचार उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों को हवा में ही पकड़ लेती है। एक बार जब यह उन तरंगों को पहचान लेती है, तो यह उन्हीं संकेतों का पीछा करते हुए सीधा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि अगर दुश्मन का रडार ऑपरेटर हमले की भनक लगते ही अपना रडार बंद भी कर दे, ताकि मिसाइल को संकेत मिलना बंद हो जाएं, तब भी यह मिसाइल दिशा नहीं भटकती। इसके भीतर एक ऐसी उन्नत प्रणाली लगी है जो रडार के अंतिम सक्रिय स्थान को अपनी मेमोरी में दर्ज कर लेती है और रडार बंद होने के बावजूद उसी स्थान पर जाकर भारी तबाही मचाती है। मिसाइल की यही खूबी इसे दुनिया के सबसे घातक हथियारों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देती है।

रुद्रम-2 की एक और सबसे बड़ी ताकत इसकी मारक क्षमता और गति है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से अपने लक्ष्य को भेद सकती है। इसके साथ ही इसकी गति मैक 5.5 तक पहुंच सकती है, जिसका मतलब है कि यह ध्वनि की गति से साढ़े पांच गुना अधिक तेजी से उड़ान भरती है। इतनी अधिक गति के कारण दुश्मन के पास इससे बचने या जवाबी कार्रवाई करने का कोई समय नहीं बचता। 300 किलोमीटर की लंबी रेंज का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों को दुश्मन के रडार को नष्ट करने के लिए उसकी सीमा में बहुत अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे सुरक्षित दूरी से ही मिसाइल दागकर दुश्मन के हवाई रक्षा तंत्र को तबाह कर सकते हैं, जिससे हमारे पायलटों और विमानों की सुरक्षा कई गुना सुनिश्चित हो जाती है।

आधुनिक समय में लड़े जा रहे युद्धों में यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि किसी भी देश की सुरक्षा के लिए उसका एयर डिफेंस नेटवर्क सबसे अहम होता है। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में भी यह देखा गया है कि जिस देश का हवाई रक्षा तंत्र सक्रिय रहता है, वहां दुश्मन के विमानों का प्रवेश करना लगभग असंभव हो जाता है। इसलिए वायुसेनाएं एक विशेष रणनीति का पालन करती हैं जिसे एसईएडी कहा जाता है। इसका अर्थ होता है दुश्मन के हवाई रक्षा तंत्र को पूरी तरह से कुचल देना या निष्क्रिय कर देना। रुद्रम-2 को मुख्य रूप से इसी सामरिक कार्य के लिए तैयार किया गया है। युद्ध शुरू होते ही भारतीय वायुसेना सबसे पहले अपने सुखोई-30 मार्क(वन) विमानों के जरिए रुद्रम-2 मिसाइलों की बौछार कर सकती है। जैसे ही दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस नेटवर्क ध्वस्त होंगे, उसके तुरंत बाद भारतीय वायुसेना के राफेल, मिराज-2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमान दुश्मन के इलाके में गहराई तक जाकर अपने अन्य सैन्य अभियानों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकेंगे। इस तरह यह मिसाइल भारतीय वायुसेना के लिए एक बहुत बड़े फोर्स मल्टीप्लायर की भूमिका निभाएगी।

तकनीकी दृष्टिकोण से देखा जाए तो रुद्रम-2 में विश्व स्तर की कई अत्याधुनिक प्रणालियों का इस्तेमाल हुआ है। इसमें पैसिव होमिंग हेड सीकर लगा है, जो एक बहुत ही संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक रिसीवर की तरह काम करता है। यह बिना अपनी मौजूदगी बताए दुश्मन के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नलों को खोजता है और उन्हें ट्रैक करता है। नेविगेशन के लिए इस मिसाइल में इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ-साथ भारत के पूरी तरह स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन नेटवर्क नाविक का उपयोग किया गया है। युद्ध के दौरान दुश्मन अक्सर जीपीएस सिग्नलों को जाम करने का प्रयास करते हैं, लेकिन नाविक प्रणाली के कारण रुद्रम-2 किसी भी बाहरी जीपीएस सिग्नल पर निर्भर नहीं रहती और अपने लक्ष्य तक अचूक निशाना लगाती है। इसके अलावा इसमें लॉन्च से पहले लक्ष्य को लॉक करने और हवा में दागने के बाद भी नए लक्ष्य को लॉक करने जैसी उन्नत तकनीकी सुविधाएं मौजूद हैं, जो पायलट को अंतिम क्षणों में भी रणनीति बदलने का विकल्प देती हैं।

रुद्रम-2 जैसी मिसाइल को सुखोई-30 मार्क(वन) जैसे भारी लड़ाकू विमान के साथ जोड़ना भी अपने आप में एक बहुत बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती रही है। मिसाइल का एरोडायनामिक डिजाइन ऐसा होना चाहिए कि वह मैक 5.5 की प्रचंड गति पर पैदा होने वाले अत्यधिक तापमान और हवा के भारी दबाव को आसानी से सहन कर सके। इस गति पर हवा के घर्षण से मिसाइल की बाहरी परत बहुत अधिक गर्म हो जाती है, इसलिए इसके निर्माण में विशेष प्रकार के मिश्रित पदार्थों और तापरोधी कोटिंग का इस्तेमाल किया जाता है, जो इसके अंदर लगे संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सुरक्षित रखते हैं। इसके अलावा मिसाइल को विमान के मिशन कंप्यूटर के साथ सॉफ्टवेयर के जरिए पूरी तरह से सिंक करना होता है ताकि पायलट कॉकपिट में बैठकर ही मिसाइल की हर गतिविधि को नियंत्रित कर सके। भारत के लिए इस मिसाइल के निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका पूर्ण रूप से स्वदेशी होना है। दशकों तक भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रूस, फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों पर निर्भर रहा है। लेकिन रुद्रम-2 का विकास डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं ने स्वदेशी तकनीक से किया है। इसके उत्पादन चरण में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसी सरकारी कंपनियों के साथ-साथ कई निजी क्षेत्र की कंपनियां भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वर्तमान में भारतीय वायुसेना रूसी मूल की केएच-31 एंटी रेडिएशन मिसाइल का उपयोग करती है। उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में रुद्रम-2 पूरी तरह से इसकी जगह ले लेगी, जिससे विदेशी निर्भरता समाप्त हो जाएगी। स्वदेशी रक्षा विनिर्माण केवल सेना को मजबूत नहीं करता बल्कि यह देश के भीतर एक विशाल तकनीकी और आर्थिक ढांचा भी तैयार करता है। सामरिक दृष्टिकोण से रुद्रम-2 का सफल परीक्षण पड़ोसी देशों विशेषकर चीन और पाकिस्तान के लिए एक बहुत कड़ा संदेश है। दोनों देश अपनी सीमाओं पर लगातार अपने हवाई रक्षा तंत्र और रडार प्रणालियों को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में यह मिसाइल भारतीय वायुसेना को उन पर एक बहुत बड़ी सामरिक बढ़त प्रदान करती है। भारतीय सैन्य रणनीति के तहत केवल रुद्रम-2 ही नहीं, बल्कि रुद्रम-1 का विकास भी किया जा चुका है और भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए रुद्रम-3 पर भी तेजी से काम चल रहा है। यह मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आने वाले समय में देश विश्व मंच पर एक आत्मनिर्भर और अजेय सैन्य शक्ति के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाए रखेगा।

धर्मांतरण विरोधी कानून उप-वर्गीकरण और बौद्ध जनगणना संगोष्ठी, नवी मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। डॉ. भीमराव य . आंबेडकर की उपस्थिति में, बुद्ध प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. अनंत हर्षवर्धनसर की अध्यक्षता में रविवार, को शाम 7:00 बजे अशोक बैंक्वेट हॉल बुद्ध प्रतिष्ठान वाशी नवी मुंबई में धर्मांतरण विरोधी कानून, उप-वर्गीकरण और बौद्ध जनगणना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सबसे पहले उपस्थित गणमान्य व्यक्ति डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर और सेवानिवृत्त आइ ए एस अधिकारी उत्तमराव खोबरागड़े

एच.बी. तायडे ,आई. जी. बोराडे गुरुजी (प्रेसिडेंट - महाराष्ट्र स्टेट) प्रशांत गडकरी (ट्रेजरर - महाराष्ट्र), बापू निकालजे (ऑफिस सेक्रेटरी - महाराष्ट्र) महादेव गायकवाड़ (टूरिज्म सेक्रेटरी - मुंबई रीजन) आय विजय झनके (डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट), शोभाताई कांबले (महिला - डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट) की उपस्थिति में आदर्शों की मोमबत्ती जलाकर सामूहिक त्रिशरण पंचशील लिया गया। और समता सैनिक दल नवी मुंबई डिस्ट्रिक्ट बटालियन के मेजर जनरल मधुकर हिवराले और दूसरी बटालियनों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को जोरदार सलामी दी। मौजूद लोगों का स्वागत प्रोग्राम के चेयरमैन डॉ. अनंत हर्षवर्धन सर ने किया। प्रस्तावना भाषण विजय झनके (डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट) ने धर्मांतरण विरोधी कायदा उपवर्गीकरण व बौद्ध जनगणना परिसंवाद के आयोजन के बारे में बताया। मंत्रालय में सचिव एच. बी. तायडे ने अपने विचार रखे। सेवानिवृत्त आइ ए एस अधिकारी उत्तमराव खोबरागड़े ने कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। समारोह को सफल बनाने में विजय झनके, शोभा ताई कांबले संजय माने, प्रकाश भालेराव राजश्री ताई पारधे और अन्य लोगों ने काफी भागदौड़ की।

आर्य समाज बोरीवली द्वारा आयोजित किया गया पर्यावरण शुद्धि महायज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आर्य समाज बोरीवली द्वारा आयोजित पर्यावरण शुद्धि महायज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें 11 विद्वान वैदिक पुरोहितों ने मंत्र उच्चारण किया। महायज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रभारंजन पाठक ने कहा कि यज्ञ से वातावरण की शुद्धि तो होती ही है इसके अतिरिक्त, होने वाली वर्षा के जल की गुणवत्ता भी उत्कृष्ट होती है। इस अवसर पर अरविंद पटेल जी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरक संदेश दिया तथा कवि कल्पेश आर्य ने आर्य समाज के विचारों को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अजीत पटेल, परेश भाई पटेल, कांतिभाई ढोलू, मगन भाई दीवानी, विनय भाई, श्रीमती रीना परमार, श्रीमती अनीता गोठवाल, श्रीमती शालिनी जोशी आदि अनेक महिला-पुरुषों एवं बच्चों ने यज्ञ में आहुति देकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया। पर्यावरण शुद्धि महायज्ञ सफलतापूर्वक संपन्न होने पर आचार्य प्रभारंजन पाठक ने आए हुए मान्यवरों के प्रति आभार प्रकट किया।

अन्य समर्थ ने लिखा संघर्ष, समर्पण और सफलता की प्रेरणादायक कहानी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे अथक मेहनत, संघर्ष और निरंतर प्रयास की लंबी कहानी छिपी होती है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है टेलीविजन अभिनेत्री अनन्या समर्थ की, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के बल पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। अनन्या समर्थ ने टीवी सीरियल्स, वेब सीरीज, विज्ञापनों और म्यूजिक एल्बम्स सहित मनोरंजन के विभिन्न माध्यमों में काम किया है। वर्तमान में वह लोकप्रिय टीवी धारावाहिक मन सुंदर में अग्नि और मिस्टर एंड मिसेज परशुराम में प्राची का किरदार निभा रही हैं। एक साथ दो धारावाहिकों में काम करते हुए उन्होंने अपनी शानदार अभिनय क्षमता से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। अभिनय के अलावा अनन्या एक प्रशिक्षित शास्त्रीय कथक नृत्यांगना भी हैं। बचपन से ही कला के प्रति उनका झुकाव रहा और उन्होंने लगातार अपने हुनर को निखारने का प्रयास किया। अभिनय और नृत्य दोनों क्षेत्रों में उन्होंने कई पुरस्कार और प्रतियोगिताएं जीती हैं, जो उनकी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण हैं। अनन्या ने बातचीत के दौरान अपने शुरूआती संघर्षों, करियर के महत्वपूर्ण पड़ावों और सपनों के शहर मुंबई में अपनी पहचान बनाने की यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि अभिनेता बनने का सपना उन्होंने बचपन से ही देखा था और उसी लक्ष्य को पाने के लिए लगातार मेहनत करती रहीं। उनकी अभिनय यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब आया जब मन सुंदर में अग्नि की दमदार भूमिका के लिए उन्हें टेलीविजन के बेस्ट विलेन श्रेणी में नामांकन प्राप्त हुआ। इस किरदार में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित किया। हाल ही में अनन्या लोकप्रिय समाचार चैनल आज तक के एक विशेष साक्षात्कार में भी दिखाई दीं, जहां उन्होंने अपने बचपन से लेकर सफल अभिनेत्री बनने तक की प्रेरणादायक यात्रा साझा की। उनकी कहानी उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो मनोरंजन जगत में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।अनन्या समर्थ का मानना है कि एक कलाकार की असली सफलता दर्शकों के दिलों तक पहुंचने में है। वह आगे भी अपने अभिनय से लोगों का मनोरंजन करती रहेंगी और जीवनभर अपने सपनों को जीती रहेंगी। अनन्या की यात्रा यह साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और आत्मविश्वास अटूट हो, तो कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है।

मालजीपाड़ा वन क्षेत्र में अवैध शराब भट्टियों पर पुलिस का छापा, 16.57 लाख रुपये का माल नष्ट

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नायगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मालजीपाड़ा वन क्षेत्र में संचालित देसी शराब की भट्टियों पर छापा मारकर 16 लाख 57 हजार रुपये मूल्य का माल नष्ट कर दिया। पुलिस को एक मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि हितेंद्र भोला चौधरी और नामदेव वाघे नायगांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आने वाले मालजीपाड़ा वन क्षेत्र में अवैध रूप से देसी शराब बनाने का कारोबार चला रहे हैं। सूचना की पुष्टि होने के बाद 31 मई 2026 को नायगांव पुलिस की अपराध पहचान शाखा की टीम ने वन क्षेत्र में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने देसी शराब निर्माण के लिए उपयोग में लाई जा रही अवैध भट्ठी का भंडाफोड़ किया। छापे में लगभग 2,800 लीटर तैयार देसी शराब, 3,240 लीटर सड़ा हुआ गुड़, तीन बड़े ड्रम, 20 खाली ड्रम तथा हाथभट्ठी जलाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली लकड़ियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार जब्त की गई सामग्री का कुल मूल्य लगभग 16 लाख 57 हजार रुपये आंका गया है। अवैध शराब और उससे संबंधित सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध नायगांव पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65(अ) एवं 65(फ) के तहत अपराध क्रमांक 551/2026 दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर तथा सहायक पुलिस आयुक्त नवनाथ घोगरे के मार्गदर्शन में की गई। अभियान का नेतृत्व नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय हजारे और पुलिस निरीक्षक (अपराध) विजय कदम ने किया। कार्रवाई में सहायक पुलिस निरीक्षक गणेश केकन, पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर अस्वे तथा अपराध जांच टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बोईसर चित्रालय के व्यापारियों द्वारा अधिकमास में महागांव में गौ सेवा व धार्मिक कार्यक्रम किया गया आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। हर साल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी महाराष्ट्र के बोईसर चित्रालय के व्यापारी बंधुओं ने मिलकर अधिकमास में पालघर जिले के बोईसर शहर से सटे महागांव में गौ सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पूजा-पाठ, हवन, भस्म आरती और प्रसाद वितरण के साथ धार्मिक चर्चा का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक रमेश जैन, गनपत सिंह व पंडित नरसिह ओझा रहे। विशेष रूप से उपस्थित मुख्य अतिथि भवेश मोरे ने सभी को संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन हमें इसलिए मिला है ताकि हम अपने बच्चों व समाज में संस्कार का बीजारोपण करें और मिलकर एकजुट होकर धर्म और समाज सेवा में योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवक जयकुमार पटवा ने सभी उपस्थित लोगों के साथ जय श्रीराम, जय गौ माता के उद्घोष के साथ कार्यक्रम को समापन किया।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रांत कार्यालय पर जनांदोलन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस द्वारा राज्यभर में चलाए जा रहे आंदोलन के तहत भिवंडी में भी कांग्रेस पदाधिकारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव पंकज गायकवाड़ के नेतृत्व में शेलार से प्रांत कार्यालय तक जनप्रकोप मार्च निकाला गया और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

मार्च के बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रांत कार्यालय के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि, खाद्य पदार्थों की महंगाई तथा आवश्यक वस्तुओं पर लगाए गए करों को कम करने की मांग की गई। कांग्रेस ने मांग की कि विभिन्न वस्तुओं पर लगाए गए 35 प्रतिशत वैट को घटाकर 5 प्रतिशत किया जाए तथा घरेलू गैस पर लगने वाले 22 प्रतिशत वैट में भी कमी की जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके। इस अवसर पर भिवंडी शहर कांग्रेस अध्यक्ष आबिद मनसब खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है और सरकार को तत्काल राहतकारी कदम उठाने चाहिए।

काशीगांव पुलिस की बड़ी सफलता: 48 घंटे में 4 वर्षीय बच्चे की हत्या का खुलासा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के काशीगांव क्षेत्र में एक चार वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या के मामले को काशीगांव पुलिस ने मात्र 48 घंटों के भीतर सुलझाकर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या की गुत्थी सुलझा ली है।

1 जून 2026 को काशीगांव पुलिस को नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि नीलकमल नाका स्थित नमस्कार पेट्रोल पंप के पास एक नाले में एक छोटे बच्चे का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, अपराध शाखा के अधिकारी तथा गश्ती दल मौके पर पहुंचे। दमकल और एम्बुलेंस की सहायता से बच्चे के शव को बाहर निकालकर पं. भीमसेन जोशी जनरल अस्पताल, भायंदर पश्चिम भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक तौर पर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे के शरीर पर मृत्यु पूर्व चोटों की पुष्टि हुई। इसके बाद गवाहों के बयान, घटनास्थल का निरीक्षण और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का मामला है। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 238 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वांछित आरोपी शंभू शर्मा उर्फ नेपाली जरीमारी झील क्षेत्र में छिपा हुआ है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी शंभू राजू शर्मा उर्फ नेपाली (30 वर्ष) ने बच्चे को जमीन पर पटककर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी मूल रूप से नेपाल के धनगढ़ी जिले का निवासी है और वर्तमान में नीलकमल नाका, काशीगांव स्थित ओवरब्रिज के नीचे रह रहा था। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण तथा सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख के मार्गदर्शन में काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई। जिसमें संजय पुजारी सहायक पुलिस निरीक्षा, माणिक पाटिल पुलिस उप निरीक्षक, विजय साठे पो,हवा, प्रताप पचंडे पो,एम,किरण विर्कर, विक्रांत खंडारे, दीपक कुलकर्णी, अभिजीत मदावी, और रविंद्र सोनवाने शामिल थे।

पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला 4 लोगो पर मामला दर्ज, दो आरोपी गिरफ्तार

चेतन निर्मल

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के महात्मा फुले चौक पुलिस थाने की हद में जान से मारने की कोशिश (हत्या के प्रयास) का गंभीर मामला दर्ज किया गया है। यह घटना 2 जून की रात करीब 11 बजे काला तलाव मेन गेट के रोड पर हुई। इस मामले में पुलिस ने दो लोगो की तत्काल गिरफ्तारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ओमकार विठ्ठल सुरेश (उम्र 22 वर्ष), जो मोमोज स्टॉल का व्यवसाय करते हैं, अपने भाई उमेश के साथ दुकान बंद कर घर जा रहे थे। उसी दौरान आरोपी मुरलीधर नाडेकर (उम्र 45) उनके बेटे किरण नाडेकर, भावेश नाडेकर और उनका साथी हार्दिक प्रजापति वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि इन आरोपियों का पहले से ही व्यवसायिक विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने शिकायतकर्ता और उनके भाई के साथ गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि भावेश नाडेकर ने अपने साथ लाए चाकू से उमेश सुरेश पर जानलेवा हमला किया, जिसमें उनके चेहरे, छाती और पेट पर वार किए गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में 4 लोगो पर केस दर्ज कर लिया है। जिसमे से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला आपसी विवाद से जुड़ा है, लेकिन इसमें जानलेवा हमला होने के कारण कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई खड़ेगोलवली इलाके में की गई, जहां पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को हिरासत में लिया गया ।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी विशाल भगवान म्हात्रे को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पहले भी इस तरह के मामलों में संलिप्त रहा है और उसे पूर्व में नोटिस देकर छोड़ा गया था। बावजूद इसके वह फिर से गैर-कानूनी तरीके से शराब बेचता हुआ पाया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 20 लीटर हाथभट्टी (देशी शराब) बरामद की है। आरोपी बिना किसी वैध परमिट के शराब का भंडारण और बिक्री कर रहा था, जो कानूनन अपराध है। कोलसेवाड़ी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र शराबबंदी कानून के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इलाके में गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पालघर जिले में बिजली सुरक्षा व जागरूकता विषयक चर्चासत्र आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में बिजली सुरक्षा और उसके जोखिम को समझने के लिए जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने एक विशेष चर्चासत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे व निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे के मार्गदर्शन में नागरिकों को बिजली के खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

चर्चासत्र का संचालन स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय उपकेंद्र, लातूर के प्राध्यापक डॉ. प्रमोद पाटील ने किया। कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया दल के मुकेश बाजीया एवं उनकी टीम, ग्रामविकास अधिकारी, तलाठी, आपदा मित्र व अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

चर्चासत्र में बताया गया कि पालघर जिले में 2014 से 2025 तक बिजली गिरने के कारण 27 लोगों की मौत हुई है। विशेष रूप से पूर्व-मॉनसून और मॉनसून के बाद बिजली गिरने की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। इसलिए नागरिकों को ऐसे समय में विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई। जोखिम वाले क्षेत्र में जव्हार, मोखाड़ा और विक्रमगड तहसील उच्च जोखिम वाले क्षेत्र माने गये हैं, जबकि दहाणू, तलासरी और वाडा तहसील में बिजली गिरने का खतरा मध्यम स्तर का है। यदि बिजली गिरने के प्रकाश और इसके तुरंत बाद 30 सेकंड के भीतर गर्जना सुनाई दे, तो यह संकेत है कि घटना 5 किलोमीटर के दायरे में हुई है। ऐसे समय में नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर रहकर कम से कम 30 मिनट तक सतर्क रहना चाहिए। इसके लिए निम्न सुरक्षा उपाय करना जरूरी है। घर की ऊँचाई मंदिर के कलश से कम होनी चाहिए। बिजली गिरने पर लोहे की वस्तुएँ बाहर रखें और तात्कालिक निवास स्थान में सुरक्षित रहें। मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, धातु की वस्तुएँ पास न रखें, ऊँचे पेड़ के पास खड़े न हों। खुले मैदान में हों तो गहरी जगह पर बैठें और पैरों के नीचे प्लास्टिक या लकड़ी रखें। चार पहिया वाहन में दरवाजे-खिड़की बंद रखें और दोपहिया वाहन चलाते समय सुरक्षित स्थान पर रुकें। प्रशासन ने दामिनी ऐप के माध्यम से बिजली गिरने की सूचना तुरंत नागरिकों तक पहुँचाने की व्यवस्था भी की है। विशेष रूप से यह भी बताया गया कि बिजली गिरने से किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिवार को चार लाख रुपये की सहायता राशि दी जाती है, लेकिन इसे प्राकृतिक आपदा मृत्यु के रूप में दर्ज किया जाता है, जिससे परिवार कई सरकारी लाभों से वंचित रह जाता है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से इस संबंध में सतर्क रहने और अधिक से अधिक जनजागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाया शीतला माता मंदिर का स्थापना दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मंगलवार 2 जून 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर के धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित शीतला माता मंदिर में भव्य स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस खास अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य व भव्य बना दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत सुंदरकांड पाठ से की गई। इसके बाद केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व शिवतेज मित्र मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष तुलसी राम केवट व उनकी पत्नी उर्मिला केवट ने कन्या पूजन किया और सत्यनारायण भगवान की कथा श्रवण कर हवन पूजा सम्पन्न कराया। शाम 7 बजे मंदिर प्रांगण में महा भंडारे का शुभारंभ हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में ट्रस्ट की ओर से विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई, जो देर रात तक जारी रहा। सुन्दरकांड पाठ का आयोजन अभिषेक पाण्डेय द्वारा किया गया था। काशी विश्वनाथ शिव मंदिर व शीतला माता मंदिर कमेटी के सदस्यों ने इस समारोह के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट, धर्मेंद्र शाह, राजीव रंजन सिंह, सर्वेश सिंह, संतोष साहनी, सुनील लांडे, डॉ. अशोक पांडेय, शिवाजी कदम, आनंद परंडवाल, केशव यादव, मूरत सिंह , संजय मास्टर, दिलीप सिंह, राजू यादव, राजू सिंह, सोनू जागीर, आनंद महतो, सूर्य नारायण चौधरी, बाबू सिंह, राय साहब राय, सुमित ठाकुर, पवन यादव व शिवम सिंह सहित अन्य लोगों ने विशेष सहयोग किया। इस मौके पर ट्रस्ट अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने सभी सहयोगियों व भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया।

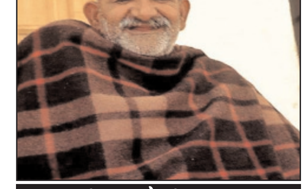

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सोन नदी में नहाने गए दो किशोर डूबे, तलाश जारी

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कोन थाना क्षेत्र के हरा ग्राम पंचायत

अंतर्गत सोनझर टोला के समीप मंगलवार दोपहर सोन नदी में नहाने के दौरान दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जबकि ग्रामीण और प्रशासन की टीम भी किशोरों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पवन कुमार (14 वर्ष) पुत्र मुखलाल निवासी ग्राम नैकाहा थाना कोन अपने मामा के घर ग्राम रोगही निवासी बिंदु निषाद पुत्र प्रदीप निषाद के घर आया हुआ था। और कृष्णा निषाद (13 वर्ष) पुत्र अरविंद निषाद निवासी ग्राम रोगही मंगलवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे हरा गांव के सोनझर टोला के समीप सोन नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान पवन कुमार और कृष्णा निषाद अचानक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते नदी में डूब गए।वहां मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों किशोर नदी की गहराई में समा चुके थे। घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे एकत्र हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू कराया। समाचार लिखे जाने तक दोनों किशोरों का कोई पता नहीं चल सका था। स्थानीय लोगों की सहायता से सोन नदी में लगातार खोजबीन जारी थी।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल व्याप्त है। परिजन नदी किनारे अपने बच्चों के सकुशल मिलने की उम्मीद में डटे हुए हैं, जबकि प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जाने की बात कही जा रही है।

बर्तन की दुकान में दोहरा फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़

छापेमारी में दो कुंतल प्रतिबंधित दोहरा बरामद, दो गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली पुलिस ने बुधवार को अवैध रूप से प्रतिबंधित दोहरा के निर्माण और कारोबार का भंडाफोड़

करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब दो कुंतल अवैध दोहरा बरामद किया है। बरामद माल का नमूना जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग को भेज दिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर वह स्वयं सादे ड्रेस में शकरमंडी मोहल्ला स्थित एक बर्तन की दुकान पर पहुंचे। अंदर कमरे से केमिकल एवं तम्बाकू की गंध आ रही थी। उसके बाद प्रभारी निरीक्षक कोतवाली त्रिवेणी सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से अवैध दोहरा का निर्माण और बिक्री कर रहे दो सगे भाइयों पवन साहू और विवेक साहू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बड़ी मस्जिद के निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से लगभग दो कुंतल अवैध दोहरा बरामद किया। पुलिस के अनुसार बरामद दोहरा का निर्माण बिना वैध अनुमति और निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा था। आशंका है कि यह सामग्री शहर और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई की जा रही थी। कार्रवाई के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग को भी मामले की सूचना दी गई है। बरामद दोहरा का नमूना जांच के लिए भेजा गया है, ताकि इसकी गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच की जा सके। जांच रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों पर अन्य धाराएं भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो नए पाठ्यक्रम शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से दो नए पाठ्यक्रम बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर तथा बी.पी.ई.एस. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स) शुरू किए हैं। इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि और खेल दोनों क्षेत्रों में रोजगार एवं करियर की अपार संभावनाएं हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक शिक्षा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में इन नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है।

बी.एससी. (ऑनर्स) एग्रीकल्चर के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में रोजगार और

खेती और खेल में करियर का सुनहरा मौका

स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। छात्र कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, कृषि सलाहकार तथा एग्री-बिजनेस के क्षेत्र में करियर बना सकेंगे। साथ ही आधुनिक खेती, बागवानी, डेयरी और कृषि आधारित उद्यमों के जरिए स्वरोजगार की संभावनाएं भी उपलब्ध होंगी।

वहीं बी.पी.ई.एस. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स) पाठ्यक्रम युवाओं को खेल एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का कार्य करेगा। इस पाठ्यक्रम में फिटनेस, खेल प्रशिक्षण, योग, शारीरिक शिक्षा, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट तथा स्वास्थ्य संबंधी विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी, जिससे छात्र खेल प्रशिक्षक, फिटनेस एक्सपर्ट और स्पोर्ट्स प्रोफेशनल के रूप में अपना करियर बना सकेंगे।

पीयूकैट के समन्वयक प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने बताया कि दोनों पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ये नए पाठ्यक्रम न केवल छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करेंगे, बल्कि उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में भी नई दिशा देंगे।

किराये के कमरे में लेखपाल का शव मिलने से हड़कंप, पोस्टमार्टम को भेजा गया शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील में तैनात एक लेखपाल का शव बुधवार सुबह उनके किराये के कमरे में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार दारा सिंह चौहान (59) निवासी खातापुर चौहान बस्ती, थाना सारनाथ, वाराणसी, मड़ियाहूं तहसील के भंवरस क्षेत्र में लेखपाल के पद पर तैनात थे। वह दिलावरपुर मौर्य कटरा में किराये का कमरा लेकर रहते थे। बताया जाता है कि मंगलवार दोपहर करीब दो बजे वह अपने कमरे पर पहुंचे और दरवाजा बंद कर आराम करने चले गए।

बुधवार सुबह करीब सात बजे तक जब उनका दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को संदेह हुआ। लोगों ने कई बार आवाज लगाकर उन्हें जगाने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया तो लेखपाल का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा परिजनों को घटना की सूचना दे दी।

तहसीलदार राकेश कुमार ने बताया कि दारा सिंह चौहान कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और रक्तचाप की दवा भी ले रहे थे। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों की स्पष्ट जानकारी हो सकेगी।

डीएम ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा, व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने टीडी कॉलेज आर्ट फैकल्टी, टीडी लॉ कॉलेज, टीडी इंटर कॉलेज पहुंचकर परीक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित अधिकारियों से परीक्षा संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा परीक्षा की गोपनीयता, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधाओं एवं आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने परीक्षा को पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा, प्रधानाचार्य, संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक नें किया आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के मटियारी गांव में एक 21 वर्षीय युवक नें फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलनें पर पुलिस पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान 21 वर्षीय आशुतोष गिरी पुत्र ओमशरण गिरी के रूप मे हुई है। जानकारी के अनुसार आशुतोष अपनें बड़े भाई को रेलवे स्टेशन छोड़ने के बाद घर लौटा था। घर पहुँचनें पर उसनें कमरा अंदर से बंद कर लिया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार को घटना का पता रात करीब 9 बजे चला, जब परिजन उसे जगाने गये दरवाजा अंदर से बंद होनें पर खिड़की से देखने पर युवक फांसी पर लटका मिला। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार पाण्डेय नें बताया कि पुलिस नें शव को पोस्पमार्टम के लिए भेज दिया है ! पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस सम्बन्ध में आगे की जानकारी मिल पाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केराकत के पुन: उप जिलाधिकारी बनाए गए सुनील कुमार भारती, कई एसडीएम के कार्यक्षेत्र बदले

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन ने प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई उपजिलाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। जारी आदेश के अनुसार सुनील कुमार भारती को केराकत का एसडीएम बनाया गया है। इसके पूर्व भी सुनील कुमार भारती केराकत के एसडीएम रह चुके हैं। इसके अलावा योगिता सिंह को एसडीएम सदर की जिम्मेदारी सौंपी

गई है। वहीं संतवीर सिंह को अतिरिक्त एसडीएम बनाया गया है। अजय कुमार उपाध्याय को एसडीएम मछलीशहर बनाया गया है, जबकि शैलेन्द्र कुमार सिंह को अतिरिक्त एसडीएम मछलीशहर की जिम्मेदारी दी गई है।

उधारी के विवाद में महिला से मारपीट, पति व देवर नामजद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के गोठांव गांव में उधारी के विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने उसके पति और देवर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव निवासी शशिकला गौतम ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की शादी के दौरान उन्होंने पड़ोस में रहने वाले अपने चचेरे देवर जितेंद्र से 20 हजार रुपये उधार लिए थे। इसमें से 10 हजार रुपये वापस कर दिए गए हैं। शेष धनराशि को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।

पीड़िता के अनुसार पति ईश्वर चंद गौतम और चचेरा देवर जितेंद्र उसके कमरे में ताला लगाने पहुंचे। इसका विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचीं उसकी बेटियों को भी पीट दिया गया। मारपीट में महिला को चोटें आईं। घटना के बाद उसने पीड़िता थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति व देवर के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) और 351(3) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, चार के खिलाफ प्राथमिकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के गहरपुर गांव में घर में घुसकर महिला से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उक्त गांव निवासी सोनी बेगम ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि देर रात गांव के दिलशाद, एकलाक, वकील और मटरू उनके घर में घुस आए। आरोप है कि चारों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे तथा लात-घूंसों से मारपीट की। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग जुटने लगे, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 333, 115(2), 352 और 351(3) के तहत प्राथमिकी की है। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

केवाईसी कराने गई किशोरी लापता, युवक पर प्राथमिकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार धनापुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री एक जून की शाम कटवार बाजार स्थित बैंक में केवाईसी संबंधी कार्य के लिए गई थी। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कांटी गांव निवासी अभिषेक सरोज किशोरी के संपर्क में था और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

ट्रैक्टर की टक्कर से साइकिल सवार किसान की मौत, चालक हिरासत में

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के मड़ियाहूं-जलालपुर मार्ग पर चितवार गांव के पास बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक साइकिल सवार किसान की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पुत्र रुपेश पटेल ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पिता राजेश पटेल (42) बुधवार सुबह साइकिल से घर से मड़ियाहूं खेती के लिए बीज खरीदने जा रहे थे। सुबह करीब 7:30 बजे जब वह चितवार गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर व उसके चालक को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी कविंद्र राय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मृतक को एक पुत्री मधु व दो बेटे रूपेश व मुकेश हैं।

होमगार्डों की पहल पर जुटाई गई आर्थिक सहायता

बरसठी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरेठी गांव निवासी संविदा विद्युत कर्मी अशोक यादव की करंट लगने से हुई मौत के बाद ग्रामीण उनके परिवार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। गांव के होमगार्ड विनोद यादव और दिनेश प्रजापति की पहल पर

ग्रामीणों ने आर्थिक सहयोग जुटाकर मृतक की पत्नी को सहायता राशि सौंपी। मृतक लाइनमैन अशोक यादव परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनके निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसे देखते हुए ग्रामीणों ने सहयोग अभियान शुरू किया है। होमगार्डों ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी क्षमता के अनुसार पीड़ित परिवार की मदद करें। वहीं उपजिलाधिकारी नवीन कुमार के प्रयास से परिवार को विद्युत विभाग की ओर से करीब 10 लाख रुपये की सहायता, विधवा पेंशन, जमीन का पट्टा तथा बच्चों की शिक्षा से संबंधित लाभ दिलाने की प्रक्रिया चल रही है। राजस्व विभाग से अतिरिक्त आर्थिक सहायता के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। सहयोग अभियान में अविनाश सिंह रिक्की, पं. संजय शर्मा, सतीश सिंह, उदय यादव, दीपक यादव, अखिलेश, पंकज यादव, विनोद यादव, श्याम बिहारी, मनोज शर्मा और अवधेश गिरी समेत कई ग्रामीण शामिल रहे।

सतीश सिंह के परिजनों से मिले अजय राय

उत्तर प्रदेश में रोज हो रही हत्या की घटना से प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट: अजय राय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ शहर में जौनपुर के युवा उद्यमी संदीप सिंह की हत्या से जौनपुर जिले का सियासी पारा गर्म रहा। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी कार्यकताओं साथ बुधवार को टेकारी गांव पहुंच दिवंगत संदीप सिंह के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। अपराधियों द्वारा दिनदहाड़े राजधानी लखनऊ में मारे गये संदीप सिंह के भाई सतीश सिंह, पुत्र सार्थक सिंह एवं पुत्री सीसी सिंह से मिलकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए न्याय की लड़ाई में परिजनों के साथ पूरी कांग्रेस पार्टी द्वारा मदद का भरोसा दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर तरफ हर फैल गया है, सरकार की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गयी है, कोई भी सुरक्षित नहीं है। अजय राय ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि अपराधियों का संरक्षण सरकार द्वारा किया जा रहा है, प्रदेश में आज कोई भी सुरक्षित नहीं है, महिलाओं के साथ बलात्कार की बढ़ती घटनाओं ने पूरे

प्रदेश को शर्मशार कर दिया है,हत्या की बढ़ती घटनाओं से हर तरफ भय का माहौल बन गया है।

पीड़ित परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रदेश प्रवक्ता संजीव सिंह, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह, शहर अध्यक्ष आरिफ खान,संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, राकेश सिंह डब्बू, सन्तोष गिरी, लाल प्रकाश पाल, अनिल सोनकर, महिला जिलाध्यक्ष रेखा सिंह,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डा. राकेश मिश्रा मंगला गुरु, रामचंदर पांडेय, राजकुमारी मिश्रा, इरशाद खान राजू, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अभिषेक सिंह आशू, डा. संतोष गिरी,परमेन्द्र सिंह,शिव मिश्रा, अनिल दुबे आजाद, अनिल सिंह, मनीष सिंह, अमरनाथ यादव, रघुवंश यादव, विजय प्रजापति केपी, अमित तिवारी, हरजीत सिंह सोनू, प्रवेश निषाद, राजेशतिवारी, रामचन्द्र दूबे, अरविन्द यादव, राजकपूर पटेल, विनय मिश्रा शाहनवाज मंजूर सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

सूर्या हत्याकाण्ड के सभी दोषियों एवं षड्यंत्रकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हो: जितेन्द्र

अहिप व राबद ने मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित मांगों का ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गाजियाबाद में बीते बकरा ईद के दिन सूर्या चौहान की हुई निर्मम हत्या से सम्पूर्ण समाज दुःखी, आक्रोशित एवं व्यथित है। इस जघन्य घटना ने प्रदेशवासियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। इसी को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल सहित संगठन के सभी आयामों के पदाधिकारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

इस मौके पर जितेन्द्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष राबद ने कहा कि इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश पुलिस ने त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुये मुख्य आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जिसके लिये उत्तर प्रदेश पुलिस का धन्यवाद है। साथ ही हमारी मांग है कि इस हत्या में शामिल शेष सभी आरोपियों सहित इस अपराध के षड्यंत्र में सम्मिलित सभी की पहचान करके उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाय, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न कर सके।

उन्होंने आगे कहा कि समाज की भावना है कि निर्दोष युवक की हत्या करने वाले तथा इस अपराध की

योजना बनाने वाले सभी को उनके अपराध के अनुरूप कड़ा दण्ड मिले और पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय प्राप्त हो। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके सक्षम नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस मामले में निष्पक्ष, त्वरित एवं प्रभावी न्याय सुनिश्चित करेगी तथा दोषियों को कानून के अनुसार कठोर दण्ड दिलायेगी।

उक्त अवसर पर डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रान्त कार्याध्यक्ष, प्रभाकर तिवारी प्रान्त उपाध्यक्ष हिन्दू एडवोकेट फोरम, अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अहिप, कृष्ण कुमार उपाध्याय, जयेश सिंह, मंजीत सिंह चौहान, सचिन श्रीवास्तव जिला मंत्री, अरुण शुक्ल, यादवेंद्र यादव, विकास पाण्डेय, निखिल मिश्रा, उमेश उपाध्याय, नरेन्द्र सिंह, रुद्र प्रताप श्रीवास्तव, ऋतुराज चौहान, रंजीत परमार सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अन्त में अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेज रफ्तार डम्फर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत, चालक डम्फर लेकर फरार

आक्रोशित ग्रामीणों ने उठाई स्पीड ब्रेकर और सख्त कार्रवाई की मांग

चकिया,चंदौली(उत्तरशक्ति)। शाहबगंज थाना क्षेत्र के करनौल चौराहे पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार डम्फर की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और युवक को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अपनी मोटरसाइकिल से करनौल चौराहे को पार कर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित डम्फर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं।

घटना की सूचना मिलते ही शाहबगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त और

परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया में जुटी रही। वहीं हादसे के बाद डम्फर चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि करनौल चौराहे पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। लोगों ने प्रशासन से चौराहे पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक तथा यातायात नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की है।

इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्टी दस्त से पीड़ित वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। सदर विकास खण्ड के मारकुंडी ग्राम पंचायत के मीना बाजार बस्ती निवासनी अत्यंत गरीब-निरीह असहाय वृद्ध विधवा महिला समरथी देवी (71 वर्ष) पत्नी स्व,कल्लु को मंगलवार की रात्रि भीषण उमस तपन भरी गर्मी से उल्टी दस्त होने लगी तथा हालत गंभीर होने पर आसपास पड़ोस के लोगों तथा परिजनों ने पीड़ित

गरीब वृद्ध महिला को जिला अस्पताल सोनभद्र में इलाज हेतु भर्ती कराया जहां पर इलाज के दौरान बुधवार की सुबह तकरीबन 9 बजे मौत हो गई।बताते हैं कि मृतक वृद्ध महिला अपने ग्राम पंचायत समेत आसपास के इलाकों के लोगों का दाना भुजकर अपना तथा अपने परिजनों का जीवित्कोपार्जन करती चली आ रही थी।उक्त वृद्धि महिला की मृत्यु से बस्ती के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।वृद्धा की मौत की खबर की सूचना मिलते ही ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा।शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने वालों का सुबह से ही काफी तांता लगा हुआ था वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

श्री राम कथा से समाज में समानता और भाईचारे का संदेश : निर्मल शरण महाराज

जौनपुर। श्री राम कथा केवल एक धार्मिक कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की संहिता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन प्रसंग आज भी समाज को सत्य, कर्तव्य और आदर्श आचरण की सीख देते हैं। राम कथा में धर्म की रक्षा, बुराई पर अच्छाई की जीत और ईश्वर में अटूट श्रद्धा का संदेश मिलता है। जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित तिलवारी गांव में आयोजित श्री राम कथा अमृत वर्षा में व्यास पीठ से बोलते हुए अयोध्या के प्रख्यात कथावाचक निर्मल शरण महाराज ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि राम का वनवास, रावण वध और राज्याभिषेक झ हर प्रसंग यह बताता है कि सत्य के मार्ग पर चलने वाले को अंततः विजय मिलती है। राम-सीता का दांपत्य, भरत का त्याग, लक्ष्मण की सेवा और हनुमान की भक्ति झ ये सभी रिश्तों की मर्यादा सिखाते हैं। राम ने राजपाठ छोड़कर पिता की आज्ञा मानी, यह कर्तव्य को सर्वोपरि रखने का उदाहरण है। निर्मल शरण महाराज ने कहा कि राम ने निषादराज, शबरी, सुग्रीव और विभीषण को गले लगाया, जिससे समाज में समानता और भाईचारे का संदेश मिलता है। 28 मई से प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित कथा में भारी संख्या में लोग कथा सुनने पहुंच रहे हैं। 6 जून को शाम 4:00 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

कथा के आयोजन आदिनाथ मिश्रा और उनकी धर्मपत्नी प्रभावती मिश्रा है। मुख्य यजमान गुंजन मिश्रा, वेदांत मिश्रा और वेदिका मिश्रा है। वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र मिश्रा स्वागताकांक्षी तथा रामसूरत मिश्रा विनयावनत के रूप में कार्यक्रम में शामिल हैं। परिवार की तरफ से शीतला प्रसाद मिश्रा, जमीदार मिश्रा राजेंद्र मिश्रा, महेंद्र मिश्रा, लल्लन मिश्रा सुमित मिश्रा भानु प्रताप मिश्रा तथा सभी ग्रामवासी कथा में आने वाले लोगों का स्वागत सम्मान कर रहे हैं। 2 जून को विधायक रमेश चंद्र मिश्र कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, संजय दुबे, समाजसेवी डी एस तिवारी, महेंद्र पांडे समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

इन्फिनिटी लर्न का जेईई एडवांस्ड 2026 में शानदार प्रदर्शन

पटना (उत्तरशक्ति)। श्री चैतन्या द्वारा संचालित इन्फिनिटी लर्न ने जेईई एडवांस्ड 2026 परीक्षा में एक बार फिर बेहतरीन परिणाम हासिल किए हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों लर्निंग फॉर्मेट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए, इन्फिनिटी लर्न ने यह साबित किया है कि उसका हाइब्रिड मॉडल देश के सबसे कठिन और प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में से एक जेईई एडवांस्ड में छात्रों को सफलता दिलाने में बेहद प्रभावी है। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों में, इन्फिनिटी लर्न के ऑनलाइन छात्र जय सोमानी ने शानदार ऑल इंडिया रैंक (ऑल इंडिया रैंक) 377 हासिल की। संस्थान की उपलब्धियों में और इजाफा करते हुए, श्री चैतन्या अकादमी वाराणसी के ऑफलाइन छात्र शशांक मौर्य ने (ऑल इंडिया रैंक) 500 प्राप्त की, जबकि श्री चैतन्या अकादमी बेंगलुरु के छात्र निशांक व्यास ने (ऑल इंडिया रैंक) 769 हासिल की। सुषमा बोप्पना, सीईओ एंड डायरेक्टर, श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस और इन्फिनिटी लर्न की फाउंडर ने कहा कि हमें बेहद गर्व है कि इन्फिनिटी लर्न शिक्षा जगत में एक भरोसेमंद नाम के रूप में उभर रहा है, जो हर साल डिजिटल और क्लासरूम दोनों वातावरणों में लगातार परिणाम दे रहा है और छात्रों की सफलता की कहानियाँ बना रहा है। उज्ज्वल सिंह, फाउंडिंग सीईओ ऑफ इन्फिनिटी लर्न बाय श्री चैतन्या ने कहा कि इन्फिनिटी लर्न में हमारे लिए परिणाम ही अंतिम उद्देश्य हैं। मुझे बेहद खुशी है कि हम हर साल अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन सेंटर्स दोनों में प्रदर्शन को और मजबूत कर रहे हैं, जिससे देशभर के छात्रों को शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश पाने का अवसर मिल रहा है और वे अपने सपनों को पूरा कर पा रहे हैं।

बुखार के साथ सांस फूलने पर, हो सकता है ब्रोंकाइटिस के लक्षण

रानी की सराय(उत्तरशक्ति)। नजला, खांसी और बुखार जैसी सामान्य दिखने वाली बीमारियां गंभीर रूप लेती जा रही हैं। बिना चिकित्सकीय परामर्श दवाओं का सेवन करने से कई मरीजों की हालत बिगड़ने के मामले सामने आ रहे हैं। कुछ मरीजों को सांस फूलने की शिकायत हो रही है। जांच में ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के लक्षण पाए जा रहे हैं। रानी की सराया पीएचसी के चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष तिवारी ने बताया कि हवा में मौजूद धूल और प्रदूषण के सूक्ष्म कण सांस के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच जा रहे हैं। एलर्जी या कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग जल्दी इसकी चपेट में आ जाते हैं। हर दिन करीब 150 मरीज उपचार के लिए आ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि बुखार, खांसी या सांस लेने में किसी भी प्रकार की परेशानी को नजरअंदाज ना करें और तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। इसकी शुरूआत जुकाम से होती है, समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह फेफड़ों में संक्रमण और बलगम बनाने लगता है। श्वसन नलिका में सूजन आने से खांसी बढ़ जाती है, यदि इसके साथ बुखार हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

अक्षत फेंकने के विवाद में युवक पर हमला

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान अक्षत फेंकने पर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पीड़ित पक्ष ने गांव के कुछ लोगों पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। हैदराबाद गांव निवासी अंकुर कुमार ने बताया कि वह अपने मौसेरे भाई जयवीर के साथ बरहपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें बुलाकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में अंकुर घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके रिश्तेदारों के साथ भी मारपीट की गई। परिजनों का आरोप है कि हमलावर अंकुर को मृत समझकर भाग गए। ग्रामीणों और परिजनों की मदद से घायल युवक का पहले प्राथमिक उपचार कराया गया। बाद में मंडलीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर बनी हुई है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि जीयनपुर थाना क्षेत्र में आई एक बारात में मारपीट का मामला संज्ञान में आया है। पीड़ित की ओर से तहरीर मिली है।

किसानों ने जमीन देने किया साफ इनकार, न्यू टाउनशिप परियोजना को बड़ा झटका लगा

, **मेरठ (उत्तरशक्ति)।** देश की पहली आधुनिक न्यू टाउनशिप परियोजना को समय पर विकसित करने की राह में मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) को किसानों ने बड़ा झटका दिया है। परियोजना के लिए चिन्हित कई किसानों ने अपनी जमीन देने से साफ इनकार कर दिया है। किसानों के इस कड़े रुख को देखते हुए मेडा ने अब उनकी जमीन का अनिवार्य अधिग्रहण करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए बकायदा फाइल तैयार कर ली गई है, जिसे शासन से हरी झंडी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिलान्यास की जा चुकी देश की यह पहली आधुनिक न्यू टाउनशिप वर्ष 2027 तक तैयार होनी है। परियोजना के लिए मोहिउद्दीनपुर और आसपास के क्षेत्र में कुल 294 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है।

सात लाख की साइबर ठगी के मामले में एक गिरफ्तार

आजमगढ़। साइबर क्राइम पुलिस टीम ने सात लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के जितेंद्र यादव निवासी पूर्वी चंपारण बिहार को गिरफ्तार किया है। ठगी की रकम को फर्जी खातों व क्रेडिट कार्ड के माध्यम से नकदी में बदलने का काम करता था। साइबर क्राइम के नोडल अधिकारी पंकज कुमार ने बाताया कि दीदारगंज थाना क्षेत्र के चितारा महमूदपुर निवासी डॉ. शफी उज्जमां के यूनियन बैंक और केनरा बैंक के खातों से 17 जनवरी 2026 को कुल 6,98,619 रुपये की धनराशि उनकी जानकारी के बिना निकाल ली गई थी। पूछताछ में पता चला कि वह संगठित साइबर गिरोह के लिए फर्जी खातों में आई ठगी की रकम को विभिन्न माध्यमों से नकद में बदलकर गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाता था।

परा म्यूज़िक भारत की पहली एआई म्यूजिक कंपनी के रूप में लॉन्च

मुंबई। परा म्यूज़िक ने आज आधिकारिक रूप से भारत की पहली एआई-आधारित म्यूजिक कंपनी के रूप में अपने लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य भारतीय संगीत को भारत और दुनिया भर में ज्यादा लोगों तक पहुँचाना है। अपोलो ग्रोथ कैपिटल के नेतृत्व में एंजल और संस्थागत निवेशकों के समूह ने इस कंपनी को फंडिंग दी है। यहाँ गाने कलाकार खुद बनाते हैं, जबकि एआई का उपयोग केवल बाजार को समझने और मार्गदर्शन के लिए किया जाता है। यह एआई तकनीक संगीत का कैटलॉग तैयार करने, उसका वितरण करने और कमाई से जुड़े फैसलों में मदद करता है। परा म्यूज़िक अगले चार सालों में हिंदी और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्म और नॉन-फिल्म संगीत मिलाकर लगभग 40,000 गानों का बड़ा कैटलॉग बनाने की योजना बना रही है। भारत पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक मार्केट्स में से एक है और ऋक्षउक-ए मीडिया और एंटरटेनमेंट रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2028 तक यह मार्केट लगभग 7,500 करोड़ रुपये तक पहुँचने की उम्मीद है और इसमें हर साल लगभग 9% की वृद्धि होने की संभावना है। इसके बावजूद, लोगों की पसंद का संगीत और उसकी आसान उपलब्धता के बीच अभी भी बड़ा अंतर है, खासकर क्षेत्रीय और नॉन-फिल्म संगीत में यह समस्या ज्यादा दिखती है। परा म्यूज़िक की फाउंडर रशना पोचखानवाला ने कहा, भारत में दुनिया का सबसे समृद्ध और विविध संगीत क्षेत्र मौजूद है, लेकिन इसकी पूरी क्षमता अभी तक उपयोग में नहीं लाई गई है। परा म्यूज़िक कंपनी की स्थापना टेक्नोलॉजी, डेटा और म्यूजिक आईपी में रणनीतिक निवेश के जरिए इस अवसर को आगे बढ़ाने के लिए की गई है।

फिनोलेक्स केबल्स ने महेश विश्वनाथन को उएड के रूप में पदोन्नत किया; सचिन नाइक बने CFO

मुंबई। फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड, जो भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिकल और कम्युनिकेशन केबल निमार्ताओं में से एक है, ने आज महेश विश्वनाथन को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएड) के रूप में पदोन्नत करने और सचिन नाइक को मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) नियुक्त करने की घोषणा की। दोनों नियुक्तियां 1 जून 2026 से प्रभावी हैं। चार दशकों से अधिक के पेशेवर अनुभव वाले योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट महेश विश्वनाथन पिछले 17 वर्षों से अधिक समय से फिनोलेक्स केबल्स से जुड़े हुए हैं और हाल ही में कंपनी में मुख्य वित्तीय अधिकारी (CFO) के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कंपनी की वित्तीय और परिचालन नींव को मजबूत बनाने, व्यवसाय के विस्तार को गति देने तथा दीर्घकालिक विकास रणनीति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सचिन नाइक लगभग तीन दशकों के अनुभव के साथ फिनोलेक्स केबल्स में CFO के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने कई प्रमुख विनिर्माण और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्य किया है तथा वित्तीय रणनीति, पूंजी आवंटन, फंड जुटाने, निवेशक संबंध, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, जोखिम प्रबंधन, व्यवसाय परिवर्तन और परिचालन उत्कृष्टता जैसे क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता हासिल की है।

कबाड़ की दुकान में आग, लाखों की क्षति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के नेवढ़िया थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक कबाड़ की दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताते है कि नेवढ़िया बाईपास स्थित कबाड़ की दुकान के मालिक रवि गुप्ता ने बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1रू30 बजे उन्हें आसपास के लोगों ने फोन कर दुकान में आग लगने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि आग की तेज लपटों ने पूरे कबाड़ को अपनी चपेट में ले लिया था और दुकान धू-धू कर जल रही थी।आग की सूचना मिलते ही नेवढ़िया पुलिस और दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से आग को फैलने से रोका गया और उस पर नियंत्रण पाया गया।दुकानदार रवि गुप्ता के मुताबिक, दुकान में रखा कबाड़ और अन्य सामान जलकर राख हो गया है, जिससे उन्हें लाखों रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है।

निमार्णाधीन नवीन जिला कारागार का डीएम ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने मंगलवार देर शाम निमार्णाधीन नवीन जिला कारागार का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, संसाधनों की उपलब्धता और निर्माण की गति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था को निर्धारित समयसीमा में परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए तथा आवश्यक मशीनों और निर्माण सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निमार्णाधीन ड्रेनेज सिस्टम को इस प्रकार विकसित करने के निर्देश दिए कि बरसात के दौरान कहीं भी जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और पूरे परिसर में जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनी रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मल्टीपरपज हॉल, हाई सिक्योरिटी बैरक, मुख्य परिधि दीवार, सर्कल वॉल, पार्टीशन वॉल और कैंपस वॉल का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किया औचक निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. मुकेश कुमार ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अराजीलाइन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की अनुपस्थिति, खराब साफ-सफाई और अभिलेखों में अनियमितताएं मिलने पर सीएमओ ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक से स्पष्टीकरण तलब करते हुए उनका वेतन अग्रिम आदेश तक अवरुद्ध करने के निर्देश दिए।

सुबह करीब 8:45 बजे किए गए निरीक्षण में कुछ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को छोड़ अधिकांश कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। वहीं चिकित्सालय परिसर और विभिन्न विभागों में स्वच्छता व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। इस पर सीएमओ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए और कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में अनुशासन एवं समयपालन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय की प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत कमियों को गंभीर मानते हुए सीएमओ ने अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार सिंह से जवाब मांगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में सीएमओ ने प्रसव कक्ष से एक नवजात शिशु को उच्च केंद्र रेफर किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पाया कि अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती के बावजूद नवजात को रेफर किया गया। इस पर संबंधित चिकित्सकों और अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि रेफरल के कारणों की जांच की जा सके।

कोल्ड चेन प्वाइंट के निरीक्षण में भी वैक्सीन वितरण संबंधी रजिस्टर अद्यतन नहीं पाए गए। वितरण की प्रविष्टियां निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप दर्ज नहीं थीं। इस पर संबंधित कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगते हुए अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को समय से ड्यूटी पर उपस्थित रहने, स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने, रिकॉर्ड का सही रखरखाव करने तथा मरीजों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जनपद के स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित निगरानी जारी रहेगी और कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर खास के अभिषेक को 35 लाख का पैकेज

-शिव प्रकाश मिश्रा

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। लालगंज तहसील के अनेहरा गांव के निवासी अभिषेक शुक्ला ने लखनऊ से बी.टेक करने के बाद यह अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उन्हें एक प्रतिष्ठित कंपनी से 35 लाख रुपये का सालाना पैकेज मिला है। अभिषेक ने अपनी इस बड़ी उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार के मार्गदर्शन को दिया है। उनके बाबा रमा शंकर शुक्ला 'लल्लू महाराज', जो एक वरिष्ठ समाजसेवी हैं, ने अभिषेक को हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अभिषेक के पिता रज्जन शुक्ला परिवहन विभाग में कार्यरत हैं और माता श्रीमती शालिनी शुक्ला एक शिक्षिका हैं, जिनके कुशल मार्गदर्शन और संस्कारों की बदौलत आज अभिषेक ने यह मुकाम हासिल किया है।

अभिषेक की इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र भर में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण पृष्ठभूगि से निकलकर अभिषेक ने जो सफलता पाई है, उससे गांव और क्षेत्र के अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने की बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

रोहित गुप्ता भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर के सचीव नियुक्त

प्रेम चंद मिश्रा

पालघर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने रोहित चंद्रबली गुप्ता को वसई-विरार शहर जिला युवा मोर्चा का सचिव नियुक्त किया गया है। रोहित गुप्ता क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखतें हैं। वे एक तेजतर्रार उदारवादी समाजसेवी नेता है। एक सरल सौम्य, विवेकवान , मृदु भाषी , विनम्र, ऊजार्वान व्यक्ति है । यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। अपनी नियुक्ति पर रोहित चंद्रबली गुप्ता ने भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष विनीत तिवारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। विनीत तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और भारत के विकास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का वे पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे। सामाजिक क्षेत्र में उनके दीर्घ अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। इन के नियुक्ति से भाजपा वसई-विरार को एक सशक्त और प्रभावी कार्यकर्ता मिला है।

पटना में एएचए प्रमाणित इमरजेंसी केयर ट्रेनिंग सेंटर की शुरूआत

पटना(उत्तरशक्ति)। पूर्वी भारत के लिए बिहार को एक हेल्थकेयर हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत की अग्रणी इमरजेंसी और हेल्थकेयर सेवा प्रदाता कंपनी जेनप्लस ने पटना के एजी कॉलोनी में बिहार के पहले अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर की शुरूआत की है। यह पहल आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, प्री-हॉस्पिटल केयर में सुधार लाने और क्षेत्र में कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। अब बिहार तथा पड़ोसी राज्यों के डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स, मेडिकल छात्र और इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स को एडवांस इमरजेंसी केयर ट्रेनिंग के लिए बड़े महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर बल दिया है। किदवईपुरी स्थित होटल रेड वेलवेट में आयोजित लॉन्चिंग कार्यक्रम में जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा, दीपक श्रीवास्तव, स्वेता मंगल, डॉ. एन अरोलकर, एवं बिहार के प्रसिद्द चिकित्सक डॉ. दिवेन्दु भूषण व डॉ. बी बी भारती मौजूद रहे।

जेनप्लस के सीईओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि कई वर्षों से बिहार और पूर्वी भारत के स्वास्थ्यकर्मियों को एडवांस इमरजेंसी केयर सर्टिफिकेशन के लिए बड़े शहरों की यात्रा करनी पड़ती थी। आज यह स्थिति बदल रही है। इस एएचए प्रमाणित ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से हम वैश्विक स्तर की शिक्षा और मानकों को पटना तक ला रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल लाइफसेवर्स को प्रशिक्षित करना नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करना और बिहार को पूर्वी भारत के हेल्थकेयर हब के रूप में विकसित करने में योगदान देना भी है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में बेसिक लाइफ सपोर्ट, एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर लाइफ सपोर्ट, बीएलएस इंस्ट्रक्टर प्रोग्राम, एसीएलएस इंस्ट्रक्टर प्रोग्राम, हार्टसेवर फर्स्ट एड सीपीआर एईडी, हार्टसेवर सीपीआर एईडी, अनुभवी प्रोवाइडर्स के लिए एसीएलएस जैसे एएचए प्रमाणित ट्रेनिंग प्रोग्राम उपलब्ध है। यह पहल केवल इमरजेंसी केयर को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वी भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार और करियर विकास के नए अवसर भी पैदा करेगी। पटना में वैश्विक स्तर की प्रमाणित ट्रेनिंग उपलब्ध होने से अस्पतालों, एम्बुलेंस सेवाओं, मेडिकल संस्थानों और ट्रेनिंग संगठनों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। साथ ही, यह सेंटर झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, असम और पूर्वी भारत के अन्य राज्यों से भी स्वास्थ्यकर्मियों और छात्रों को आकर्षित करेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और पटना हेल्थकेयर एजुकेशन एवं प्रोफेशनल ट्रेनिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा।

एनसीसी कैडेटों को मिला राष्ट्र निर्माण का मंत्र

आजमगढ़। हरबंशपुर स्थित सर्वोदय पब्लिक स्कूल में चल रहे 99 यूपी बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय शिविर के आठवें दिन ह्यएकता और अनुशासन विकसित राष्ट्र निर्माण के प्रमुख स्तंभ विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैडेटों ने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा जिम्मेदार एवं अनुशासित नागरिक बनने का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता डॉ. मुकुल दत्त पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अनुशासन किसी भी विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं, विशेषकर एनसीसी कैडेटों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. पांडेय ने एनसीसी को केवल सैन्य प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं राष्ट्रभक्ति विकसित करने का सशक्त मंच बताया। उन्होंने कैडेटों से अनुशासित जीवन शैली अपनाने, समय का सदुपयोग करने तथा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकजुटता तथा विविधताओं में एकता को विकास का आधार बताया। साथ ही स्वास्थ्य एवं आर्थिक दृष्टि से श्री अन्न के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज सिंह ने किया तथा कैप्टन डॉ. इंद्रजीत ने आभार व्यक्त किया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की बैठक आयोजित

पालघर। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ‘विश्वास, विकास और जन कल्याण’ विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन होटल जलग्राम, हलोली (मनोर), पालघर में किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पालघर जिला एवं वसई-विरार जिला इकाई द्वारा ‘संकल्प से सिद्धि अभियान’ के अंतर्गत आयोजित किया गया। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में किए गए विकास कार्यों, जन कल्याणकारी योजनाओं, आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा देश की समग्र प्रगति के लिए लागू विभिन्न पहलों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा केंद्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ. हेमंत सांवरा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बैठक में भरत राजपूत, प्रज्ञा पाटिल, केतन गांधी, अपर्णा पाटिल, तथा कल्पना नागपुडे सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना तथा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस का महाराष्ट्र में विस्तार, टिटवाला में नई शाखा शुरू

टिटवाला। आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने पूरे भारत में अपने वितरण नेटवर्क के विस्तार की व्यापक योजना के तहत टिटवाला में एक नई शाखा शुरू की है, जिससे महाराष्ट्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है। इस नई शाखा के साथ, महाराष्ट्र में एबीएचएफएल का कुल नेटवर्क अब 34 शाखाओं तक पहुंच गया है, जिससे तेजी से विकसित हो रहे बाजारों में उसकी उपस्थिति सुदृढ़ हुई है और ग्राहकों के लिए सेवाओं की उपलब्धता और अधिक आसान हो गई है।

टिटवाला मुंबई महानगर क्षेत्र में, विशेष रूप से बियॉन्ड ठाणे क्षेत्र में, किफायती आवास के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। रेल और सड़क संपर्क में सुधार, चल रही आवासीय परियोजनाओं तथा पहली बार घर खरीदने वालों की बढ़ती

मांग के कारण इस क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण घरों की तलाश कर रहे वेतनभोगी और उभरते आय वर्ग के परिवारों की बढ़ती प्राथमिकता के कारण टिटवाला सतत विकास के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह नई शाखा एबीएचएफएल को अनुकूलित और सुलभ होम लोन समाधानों के माध्यम से लोगों की इस महत्वपूर्ण आकांक्षा को पूरा करने में सहायता करेगी। इस लॉन्च के अवसर पर, एबीएचएफएल शून्य लॉगिन शुल्क के साथ 50 लाख रुपये तक के स्पॉट लोन सैंक्शन (तत्काल ऋण स्वीकृति) की पेशकश कर रहा है। यह ऑफर 3 जून से 30 जून 2026 तक वैध रहेगा, जिससे इस नई शाखा के ग्राहकों को तेजी से और अधिक किफायती दरों पर ऋण प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस विस्तार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी और सीईओ पंकज गाडगीळ ने कहा, “महाराष्ट्र हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। यहां की मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने के लिए अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। हमारे बढ़ते वितरण नेटवर्क को मजबूत डिजिटल क्षमताओं के साथ जोड़कर, हमारा उद्देश्य ग्राहकों के लिए घर खरीदने की प्रक्रिया को सरल, तेज और परेशानी-मुक्त बनाना है।

शिक्षाविद् दिवाकर तिवारी के सुपुत्र का पाणि ग्रहण संस्कार संपन्न

नवी मुंबई। सानपाडा के चंदन बँक्वेट हॉल में भांडुप के लोकप्रिय शिक्षाविद् दिवाकर तिवारी एवं विजया तिवारी के बड़े सुपुत्र विवेक का पाणि ग्रहण संस्कार प्रदीप कुमार दुबे एवं लता दुबे की सुपुत्री रोशनी से एक हजार गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विवेक के बड़े पिताजी वरिष्ठ शिक्षाविद् पूर्व प्रधानाचार्य विश्वनाथ तिवारी के मार्ग दर्शन में समारोह में मनपा अधीक्षिका नीलम वी राणा, समाजसेवी शिक्षाविद् जीतनारायण मिश्रा, चंद्रवीर यादव, डॉ.रमेशसिंह,के .आर .सिंह, आद्या प्रसाद सिंह ,विनोद दूबे, सुनीता सभाजीत गिरी, चंद्रेश यादव, दीनानाथ यादव, कमला सिंह, रमेश सिंह, अरविंद सिंह सहित मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

एनडीए के 12 वर्ष: विकास, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत: रंजु झा

मुंबई। मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 वर्षों का ऐसा सफल कार्यकाल पूरा किया है, जिसने भारत की विकास यात्रा को नई गति, नई दिशा और नई पहचान प्रदान की है। वर्ष 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा था। आज, 12 वर्षों बाद भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक देश के आम नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना रही है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए, जिससे वित्तीय समावेशन को नई मजबूती मिली। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा। युवाओं के लिए स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएं परिवर्तनकारी सिद्ध हुई हैं। इन पहलों ने युवाओं को केवल रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनने की प्रेरणा दी है। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बन चुका है और लाखों युवा नवाचार तथा उद्यमिता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में सामने आई है। इस नीति ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, लचीला और कौशल आधारित बनाया है। डिजिटल तकनीक के विस्तार के कारण शिक्षा की पहुंच गांव-गांव तक सुनिश्चित हुई है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन जैसी योजनाओं ने सामाजिक परिवर्तन को नई गति दी है। आज महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने वाले कदमों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। करोड़ों किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता का लाभ प्राप्त हुआ है।

देश की आधारभूत संरचना के विकास में अभूतपूर्व निवेश किया गया है। नए एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे कॉरिडोर, हवाई अड्डे, मेट्रो परियोजनाएं और बंदरगाह भारत की विकास गाथा को नई पहचान दे रहे हैं। आज भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वैश्विक स्तर पर तेजी से उभर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने मजबूत और निर्णायक नेतृत्व का परिचय दिया है। सेना के आधुनिकीकरण, रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता तथा आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति ने देश की सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली बनी है। जी-20 की सफल अध्यक्षता और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पहलों में भारत की सक्रिय भूमिका इसका प्रमाण हैं। मोदी सरकार के 12 वर्ष केवल योजनाओं और परियोजनाओं की कहानी नहीं हैं, बल्कि यह आत्मनिर्भर, विकसित और सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प की यात्रा है। आज देश का प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा वर्ग, इस परिवर्तन का सहभागी बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वसई की पर्यावरणीय और नागरिक समस्याओं पर स्नेहा दुबे पंडित ने पालक मंत्री से की मुलाकात

मुंबई। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वन मंत्री एवं गणेश नाइक से मंत्रालय में शिष्टाचार भेंट कर वसई तालुका से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान वसई तालुका में बड़े पैमाने पर हो रहे अनधिकृत निर्माण, मैंग्रोव क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, मैंग्रोव विनाश तथा भूमि भराव (लैंड-फिलिंग) जैसी गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। विधायक ने कहा कि ये मुद्दे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता से भी सीधे जुड़े हुए हैं, इसलिए इन पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। स्नेहा दुबे पंडित ने संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से एक संयुक्त बैठक आयोजित करने का भी अनुरोध किया। प्रस्तावित बैठक में राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन, नगर निगम तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को शामिल करने की मांग की गई है, ताकि वसई तालुका की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक समन्वित कार्ययोजना तैयार की जा सके। विधायक ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार और संबंधित विभागों के सहयोग से वसई के नागरिकों को इन समस्याओं से जल्द राहत मिलेगी तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में लेखपाल की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील के लेखपाल की संदिग्ध परिस्थितियों में उनके किराए की निवास में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बताया जाता है कि मड़ियाहूं तहसील में दारा सिंह चौहान लेखपाल पद पर तैनात है। वह बरसठी सर्किल में मझगवां बारीगांव भवरास समेत अन्य गांवों में तैनात रहे। लेखपाल दारा सिंह मंगलवार की दोपहर अपने हल्का से लौटने के बाद साथी अधिवक्ताओं को मामूली तबीयत खराब होने की सूचना देकर जलालपुर रोड पर मौर्य कटरा में स्थित किराए के कमरे में सोने चले गए। बुधवार की सुबह तक वह कमरे से बाहर नहीं निकले तो साथी अधिवक्ताओं ने देखा कमरे का पंखा चल रहा था इसके बाद आवाज लगाई लेकिन कमरे के अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं होने पर उन्हें शक हुआ, तब तहसील के और साथियों को सूचना देने के बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वह बिस्तर पर पड़े हुए थे जहां उनकी मौत हो चुकी थी । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए थाने ले आई।

शेयर.मार्केट का CRISP म्यूचुअल फंड स्कोरकार्ड: स्मॉल-कैप फंड्स में 'मार्केट टाइमिंग' का ध्यान रखना है बेहद जरूरी

मुंबई। फोनपे के शेयर.मार्केट ने मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही के लिए, अपना 'CRISP म्यूचुअल फंड स्कोरकार्ड' जारी किया है। इस लेटेस्ट रिपोर्ट ने सालों पुराने उस स्मॉल-कैप अल्फा भरोसे पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसमें यह माना जाता था कि स्मॉल-कैप फंड्स, लंबी अवधि में हमेशा सबसे ज्यादा रिटर्न देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्मॉल-कैप से मिलने वाला थोड़ा सा आउटपरफॉर्मेंस मार्जिन, इसके साथ आने वाले भारी-भरकम जोखिम के मुकाबले काफी कम है। यह नतीजा पिछले 20 सालों के ऐतिहासिक डेटा, निफ्टी स्मॉल कैप 250 TR इंडेक्स और निफ्टी 100 TR इंडेक्स के एनालिसिस से निकला है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि स्मॉल-कैप फंड्स, पोर्टफोलियो को तेजी से बढ़ाने का सबसे बड़ा जरिया है, लेकिन यह डाटा कुछ और ही कहानी बयाँ करता है। इस स्कोरकार्ड से पता चलता है कि स्मॉल-कैप फंड्स का प्रदर्शन अत्यधिक चक्रीय है। जब मार्केट तेजी (बुल रन) में होता है (जैसे 2014-2017), तो ये बहुत तेज भागते हैं, लेकिन जब मार्केट करेक्शन होता है (जैसे 2018-2020), तो इनकी हालत खराब हो जाती है। 3 साल की अवधि में देखें, तो स्मॉल-कैप का प्रदर्शन मार्केट की तेजी में जहाँ +20.52% तक ऊपर गया, वहीं मार्केट करेक्शन में यह -17.16% तक नीचे गिर गया। फोनपे म्यूचुअल फंड्स के हेड, नीलेश डी नाइक जी ने इस रिपोर्ट पर अपनी राय देते हुए कहा: आम धारणा के विपरीत, स्मॉल-कैप में सिर्फ 'खरीदो और भूल जाओ' वाली स्ट्रेटेजी सही नहीं है, क्योंकि हो सकता है कि यह आपके रिस्क की सही भरपाई न कर पाए। यह लेटेस्ट CRISP स्कोरकार्ड दिखाता है कि जब पिछले 3 सालों में स्मॉल-कैप, लार्ज-कैप को आउटपरफॉर्म करता है, तो अगले 3 सालों में उसके परफॉर्मेंस धीमे होने के चांस बढ़ जाते हैं। वास्तव में, इनके पिछले बेहतर रिटर्न और आने वाले बेहतर रिटर्न के बीच एक स्ट्रांग नेगेटिव को-रिलेशन दिखाई देता है। इसलिए इन्वेस्टर्स को मार्केट की वैल्यूएशन देखकर सोच-समझकर एंट्री लेनी चाहिए।

अबू आसिम आजमी ने अनिल निईक को पनवेल शहर का जिला अध्यक्ष बनाया

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी द्वारा पनवेल शहर जिला अध्यक्ष पद पर अनिल नाईक की नियुक्ति किए जाने के बाद कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनिल नाईक का विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आर एन यादव, चंद्रशेखर यादव, लालचंद यादव एवं मेघनाथ म्हात्रे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अनिल नाईक के नेतृत्व में पनवेल क्षेत्र में समाजवादी पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का विश्वास व्यक्त किया।

यह नियुक्ति अबू आसिम आजमी द्वारा आयोजित एक

महत्वपूर्ण बैठक के दौरान जितेंद्र यादव ने अनिल नाईक को जिला अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पेश किया। बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें राजेंद्र बहादुर यादव, दिनेश यादव, जितेंद्र यादव और एस.बी. यादव प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी पदाधिकारियों के विचार-विमर्श और सहमति के बाद अनिल नाईक को पनवेल शहर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में संगठन विस्तार, आगामी राजनीतिक रणनीति तथा क्षेत्र में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। पार्टी कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि अनिल नायक के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी पनवेल क्षेत्र में जनसंपर्क को मजबूत करते हुए आम जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएगी।

आर एन यादव ने अनिल नाईक को जिला कमेटी बनाने से लेकर हर तरह के सहयोग करने का आश्वासन दिया।

नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान एवं माझा सु संकल्प अभियान के तत्वावधान में कविगोष्ठी एवं सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई। राष्ट्रीय साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान एवं माझा सु संकल्प अभियान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 31 मई 2026 को गोपाल शेट्टी सभागृह म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुख्यालय करी रोड मुंबई में कवि गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महानगर के वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद् अवनीश कुमार दीक्षित दिव्य ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष, दैनिक समाचार पत्र आइडियल इंडिया न्यूज के संपादक डॉ प्रमोद वाचस्पति, आइडियल इंडिया न्यूज के प्रमुख संपादक व राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव,प्रवक्ता आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन दिल्ली के संजय पाण्डेय एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय महासचिव आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन दिल्ली के डाक्टर आर पी विश्वकर्मा उपस्थित थे। उक्त समारोह का आयोजन नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी, म्युनिसिपल मजदूर यूनियन स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग तक्रार निवारण समिति सेक्रेटरी एवं कवि व पत्रकार विनय शर्मा दीप ने किया तथा संयोजन माझा सु संकल्प अभियान के संस्थापक सेक्रेटरी,यूनियन उपाध्यक्ष एवं कवि समाजसेवी डॉ मंगेश पेडामकर ने किया।समारोह का मार्गदर्शन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार राही ने किया। समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार डॉ आर एल वर्मा के मंगलाचरण एवं अनिल कुमार राही के सरस्वती वंदना से हुआ। मंच का संचालन विनय शर्मा दीप ने किया जहां 28 कवि एवं कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया। आमंत्रित विशिष्ट अतिथि साहित्यकारों में अमर बहादुर पटेल, अवनीश कुमार दीक्षित दिव्य,अनिल कुमार राही, ओमप्रकाश सविता, डॉ आर एल वर्मा, हस्ताक्षर संस्था अध्यक्ष गीतकार जवाहर लाल निर्झर,कल्पेश यादव, डॉ रामस्वरूप साहू, काव्य सृजन अध्यक्ष श्रीधर मिश्र, शिवप्रकाश जमदग्निपुरी, लेखक विनोद शुक्ला गुंजन, आनंद पाण्डेय केवल, ओमप्रकाश तिवारी, कवयित्री रीना धीमान, कवयित्री कविता झा,कवयित्री सत्यवती मौर्य, उमेश मिश्रा प्रभाकर, संगीत साहित्य मंच संस्थापक रामजीत गुप्ता, अरुण मिश्र अनुरागी, सुशील शुक्ला नाचीज, अधिवक्ता अनिल शर्मा, महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कृत रामसिंह,प्रोफेसर डॉ दिनेश कुमार वर्मा, जनभाषा पूर्व अध्यक्ष नंदलाल क्षितिज, युवा कवि प्रथमेश प्रवीण नाईक, कवयित्री पुजाली शिंदे, किशोरी माने सहित मुख्य अतिथियों ने अपने काव्य पाठ से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की गतिविधियों को कवरेज प्रदान करने हेतु दैनिक समाचार पत्र जनहित इंडिया महाराष्ट्र प्रभारी मुन्ना यादव मयंक एवं आपकी आवाज BSVS NEWS के प्रमुख अरविन्द बिन्द उपस्थित थे। आयोजन समिति ने उपस्थित सभी साहित्यकारों का सम्मान अंगवस्त्र,सम्मान पत्र देकर किया।अंत में डॉ मंगेश पेडामकर ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी का भव्य नागरी सत्कार समारोह संपन्न

- शुक्ला कम्पाउंड के नागरिकों के हित के लिए किया था संघर्ष

मुंबई। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के अथक प्रयास, संघर्ष और आंदोलन की बदौलत दहिसर में रावल पाड़ा स्थित शुक्ला कंपाउंड के निष्कासित गालाधारकों और झोपड़ाधारकों को आखिरकार उनके हक का मकान/गाला मिलने का रास्ता अब जाकर साफ हुआ है। उन्हें न्याय और उनके हक की छत दिलाने के लिए जनसेवक गोपाल शेट्टी काफी अर्से से प्रयत्नशील थे और अन्ततः जनहित के लिए जारी अपने इस मिशन को कामयाब करने में वे सफल भी हुए। इससे शुक्ला कम्पाउंड के लोगों को छत मिलने का रास्ता अब साफ हो गया है, एसआरए योजना अंतर्गत शुक्ला कम्पाउंड के नागरिकों को उनके हक का घर/गाला मिलेगा। इसी उपलक्ष्य में जनसेवक गोपाल शेट्टी का नागरी सत्कार करने के लिए लोकनेता स्व. गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि के दिन दहिसर स्थित स्व. गोपीनाथ मुंडे मैदान पर एक भव्य सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दहिसर की विधायक मनिषा ताई चौधरी ने शुक्ला कम्पाउंड तथा संपूर्ण दहिसर व उत्तर मुम्बई वासियों की ओर से जनसेवक गोपाल शेट्टी को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका नागरी सत्कार किया ।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकांत पांडे, नगरसेविका योगिता पाटिल तथा नगरसेविका तेजस्वी घोसालकर सहित भाजपा के मंडल व वार्ड के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, भारी संख्या में शुक्ला कम्पाउंड के नागरिक व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्थानीय विधायक ने की मठ की जगह समाज कल्याण केंद्र बनाने की मांग

लोगों का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

मुंबई। घाटकोपर के भटवाड़ी में प्रस्तावित समाज कल्याण केंद्र के निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी देखने को मिल रही है.लोगों में स्थानीय विधायक राम कदम को लेके नाराजगी ब्याप्त है,साई कृपा रहिवासी संघ एवं मठ से जुड़े लोगों ने जोन 6 के उपायुक्त शंकर धोण्डे को ज्ञापन देकर विरोध जताया है.जिस स्थान पर राम कदम समाज कल्याण केंद्र बनाना चाहते है, वहां वर्षों से स्थापित स्वामी समर्थ मठ को हटाने की आशंका के चलते नागरिकों ने प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज करा दिया है जिसके बाद मनपा अधिकारी भी असमंजस में पड़ गए है यहां तक कि महानगरपालिका ने लोगों को राम कदम के पास जाने की नसीहत दी है अधिकारियों का कहना है कि राम कदम ने स्वामी समर्थ मठ की जगह समाज कल्याण केंद्र बनाने का पत्र दिया है. साई कृपा रहिवासी संघ एवं मठ से जुड़े लोगों ने जोन 6 के उपायुक्त शंकर धोण्डे, एन वार्ड के सहायक आयुक्त को ज्ञापन देकर विरोध जताया है.स्थानीय रहिवासी दिनेश काले के अनुसार करीब 50 वर्ष पुराना सार्वजनिक शौचालय जर्जर होने के कारण कुछ वर्ष पहले तोड़ दिया गया था.इसके बाद क्षेत्र के नागरिकों ने उस स्थान को साफ-सुथरा रखकर वहां स्वामी समर्थ मठ की स्थापना की वर्तमान में यह स्थल धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन और विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.अब इसी जगह पर भाजपा विधायक राम कदम ने समाज कल्याण केंद्र निर्माण के लिए मुंबई महानगरपालिका से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) देने का अनुरोध किया है.अधिकांश रहिवासी इस प्रस्ताव के विरोध में हैं नागरिको का कहना है कि भविष्य में रखरखाव और मरम्मत के नाम पर समाज कल्याण केंद्र को किसी ब्यक्ति को सौंपा जा सकता है, इससे सामाजिक उपयोग के बजाय व्यावसायिक रूप में इस्तेमाल किया जाएगा.लोगों ने प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में समाज कल्याण केंद्र के लिए किसी वैकल्पिक स्थान का चयन करने की मांग की है.नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि लोगों के विरोध के बावजूद समाज कल्याण केंद्र का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया, तो वे आंदोलन करेंगे.

कारगिल ने दो साल की एकीकृत पशुधन विकास पहल के साथ महाराष्ट्र के डेयरी इकोसिस्टम को मजबूत किया

मुंबई। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुधन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए डेयरी किसानों और भागीदारों के साथ अपने काम को आगे बढ़ाते हुए, कारगिल ने आज सिंजेंटा फाउंडेशन इंडिया और डिजिटल ग्रीन इंडिया की साझेदारी में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में एकीकृत डेयरी विकास पहल शुरू करने की घोषणा की। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आज मुंबई मंत्रालय में महाराष्ट्र सरकार की माननीय पशुपालन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्रीमती पंकजा मुंडे, सम्मानित अतिथि, महाराष्ट्र सरकार के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग के सचिव एन. रामास्वामी द्वारा किया गया, जिसमें अहिल्यानगर से जमीनी स्तर पर भागीदार और किसान भी शामिल हुए। कारगिल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता प्रयासों के तहत अगले दो वर्षों में 2.3 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस पहल को सबसे पहले अहिल्यानगर जिले में (अन्य जिलों में विस्तार करने से पहले) लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य अहिल्यानगर के राहुरी, राहाता और श्रीरामपुर के 26 गांवों में 'पशु आरोग्य मित्र' (मोबाइल पशु चिकित्सा वैन) के माध्यम से 3,000 से अधिक किसानों के लिए पशुओं के स्वास्थ्य, डेयरी उत्पादकता और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। इसके अतिरिक्त, यह पहल 120 गांवों के 5,000 किसानों को सीधे एआई-संचालित डिजिटल एडवाइजरी सेवाएं और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर बोलते हुए, महाराष्ट्र सरकार की पशुपालन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्रीमती पंकजा मुंडे ने कहा- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और किसानों की आय बढ़ाना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। पशुपालन और डेयरी ग्रामीण विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिन्हें तकनीक के प्रभावी उपयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित मार्गदर्शन और सुलभ पशु चिकित्सा सेवाओं के जरिए बेहतर बनाने की जरूरत है।